www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 74 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
05 जून 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 05:12
सूर्यास्त: 06:57
अधिकतम: 38°00
न्यूनतम: 29°00

» पेज 07

विशेष समाचार पर्यावरणीय संकट से ... » पेज 04 | दरोगा का खिड़की से लटका... » पेज 06 | शिल्पा शिंदे ने फर्जी ...

इस बार 3 दिन लेट, 7 दिन भारी बारिश का अनुमान, एमपी में आंधी-बारिश

केरलम पहुंचा मानसून

200 से ज्यादा जगहों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं।

आगमन

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ/ शिमला/ देहरादून । मानसून केरलम पहुंच गया है। अगले 2-3 दिन यह गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु को कवर कर सकता है। वहीं, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिन में कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत कई राज्यों में प्री मानसून एक्टिविटी के असर से आंधी-बारिश देखने मिल सकती है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है। आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली-एनसीआर में कारों पर पेड़ गिरे

24 राज्यों में अलर्ट, केरलम में 11 से 20 सीएम तक बारिश की संभावना

मौसम विभाग (IMD) ने ओडिशा, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और तेलंगाना समेत 24 राज्यों में बारिश, आंधी और तेज हवाओं की संभावना जताई है। वहीं राजस्थान, हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। दिल्ली में भी दो दिन के लिए यलो अलर्ट है।

आज से केरलम के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश हो रही है, जिसके चलते आईएमडी ने अलप्पुझा, कोट्टायम और एर्नाकुलम जिलों के लिए 3 घंटे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 11 से 20सीएम तक की बहुत भारी बारिश हो सकती है।

"गर्मियों में स्किन टैनिंग एक कॉमन प्रॉब्लम है। ज्यादा सन लाइट एक्सपोजर में यूवी (अल्ट्रावायलेट) रेज से स्किन टैन हो सकती है। मामूली दिखने वाली टैनिंग कई बार मेलानोमा जैसे स्किन कैंसर का रिस्क बढ़ा सकती है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में जानेंगे कि- स्किन टैनिंग क्या है, किन लोगों में इसका रिस्क ज्यादा है और इससे बचाव के लिए क्या करें।

13 साल में 7वीं बार मानसून लेट

साल	मानसून कब पहुंचा?	स्थिति
2026	4 जून (3 दिन बाद)	लेट
2025	24 मई (8 दिन पहले)	समय से पहले
2024	30 मई (2 दिन पहले)	समय से पहले
2023	8 जून (7 दिन बाद)	लेट
2022	29 मई (3 दिन पहले)	समय से पहले
2021	3 जून (2 दिन बाद)	लेट
2020	1 जून (तय समय पर)	सही समय पर
2019	8 जून (7 दिन बाद)	लेट
2018	29 मई (3 दिन पहले)	समय से पहले
2017	30 मई (2 दिन पहले)	समय से पहले
2016	8 जून (7 दिन बाद)	लेट
2015	5 जून (4 दिन बाद)	लेट
2014	6 जून (5 दिन बाद)	लेट

* मानसून के केरल पहुंचने की तय तारीख 1 जून है। Source- IMD

13 साल में 7वीं बार लेट हुआ मानसून

मानसून की लेट-लतीफी पिछले कई सालों से जारी है। पिछले 13 साल में यह 7वीं बार है जब मानसून लेट हुआ है। IMD के आंकड़ों के मुताबिक बीते 150 साल में मानसून के केरल पहुंचने की तारीखें अलग-अलग रही हैं। 1918 में मानसून सबसे पहले 11 मई को केरलम पहुंच गया था, जबकि 1972 में सबसे देरी से 18 जून को केरलम पहुंचा था।

चित्रकूट में जल संकट पर अखिलेश यादव का हमला

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री Akhilesh Yadav ने चित्रकूट में पानी की समस्या को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिले में बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को पानी के लिए परेशान होते देख भाजपा के विकास संबंधी दावों की हकीकत सामने आ गई है। जनता आज पेयजल की मांग कर रही है, जबकि सरकार विकसित भारत के सपने दिखाने में व्यस्त है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में 'जल जीवन मिशन' और 'हर घर जल' जैसी योजनाएं जमीनी स्तर पर सफल नहीं हो पाई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार और कमीशन-खोरी के कारण योजनाओं का लाभ लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। इसी वजह से कहीं पानी की टंकियां गिर रही हैं तो कहीं पुल और सड़कें खराब हालत में हैं।

कुछ पद सिर्फ कम शिक्षितों के लिए होते हैं : सुप्रीम कोर्ट

बड़ी डिग्री छिपाकर ये नौकरी हासिल करना गलत

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि कम शैक्षणिक योग्यता के लिए आरक्षित नौकरी के लिए अपनी शिक्षा छुपाना पद के असली हकदार से रोजगार छीनना है। इसलिए उच्च योग्यता छिपाकर ली गई नौकरी कानूनन अमान्य होगी। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने मद्रास हाई कोर्ट के 2025 के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें कोर्ट ने सिंडिकेट बैंक के अटेंडेंट की नौकरी पाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री छुपाने वाले एक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कम पढ़े-लिखे लोग कम योग्यता वाली नौकरियों में ज्यादा पढ़े-लिखे लोगों का मुकाबला नहीं कर सकते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

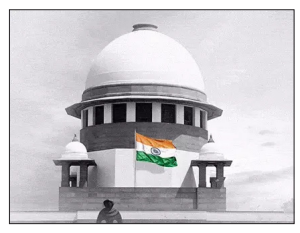

■ कोर्ट ने 2025 के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि रोजगार उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए।

■ 22 मई को कुछ याचिकाकर्ताओं ने थ्री-लैंग्वेज रूल के इस सत्र से लागू करने के खिलाफ PIL दाखिल की थी।

फरीदाबाद में क्रेन पलटने से कई मजदूर दबे ■ एक की मौत

जेवर एयरपोर्ट फ्लाईओवर निर्माण में हुआ बड़ा हादसा

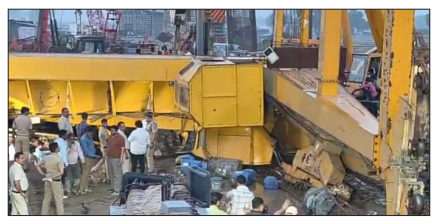

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

फरीदाबाद। पनहेड़ा खुर्द गांव के पास जेवर एयरपोर्ट से जुड़े फ्लाईओवर निर्माण कार्य के दौरान गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। गार्डर उठाने में लगी एक भारी क्रेन अचानक असंतुलित होकर पलट गई, जिससे निर्माण स्थल पर काम कर रहे कई मजदूर इसकी चपेट में आ गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। इस हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई है और 4 और के फंसे होने की आशंका है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम हुई तेज बारिश के कारण निर्माण स्थल पर कीचड़ और फिसलन हो गई थी। बारिश थमने के बाद मजदूर दोबारा काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान फ्लाईओवर के लिए गार्डर उठाने का काम चल रहा था कि अचानक भारी क्रेन का संतुलन बिगड़ गया और वह भरभराकर जमीन पर पलट गई।

>> (शेष पेज 06 पर)

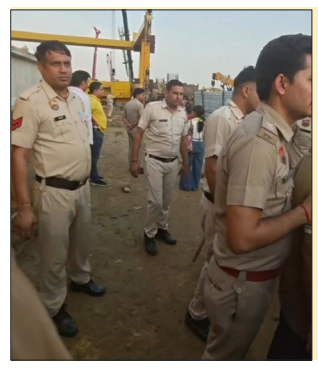

पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। बचाव अभियान पूरा होने और सभी मजदूरों की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही नुकसान का सही आंकड़ा सामने आ सकेगा। फिलहाल प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

बारिश के कारण बिगड़ा क्रेन का संतुलन

स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के कारण जमीन नरम और दलदली हो गई थी, जिससे क्रेन का संतुलन बिगड़ सकता है। वहीं कुछ मजदूरों की मौत की आशंका भी जताई जा रही है, हालांकि देर शाम तक प्रशासन या पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी।

फास्ट न्यूज

दिल्ली होटल आग, मालिक 4 दिन पुलिस रिमांड पर

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश होटल में लगी आग मामले में मालिक लवकेश बजाज को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। बजाज को पुलिस ने दिल्ली कोर्ट में पेश किया था।

कार्रवाई जांच

फायरिंग मामले में खान सर के गाड्र्स गिरफ्तार

पटना। पटना में खान सर के कोचिंग सेंटर पर 2 जून की रात हुए फायरिंग मामले में नया वीडियो सामने आया है। ये वीडियो ज्ञान बिंदु कोचिंग की ओर से जारी किया गया है। वीडियो में दावा किया गया है कि विवाद के दौरान फायरिंग खान सर के गार्ड ने की थी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस खान सर के कोचिंग सेंटर पहुंची और वीडियो में फायरिंग करते दिख रहे दोनों गाड्र्स को कदमकुआं थाने लेकर आई। 3 घंटे की पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने पुलिस को बताया है कि उन्होंने खान सर के कहने पर ही फायरिंग की थी।

बिहार के मुजफ्फरपुर में हॉस्पिटल में आग

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के ICU में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद ICU में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली।

जम्मू-कश्मीर के रियासी में बादल फटा, कई घरों को हुआ नुकसान

एमपी में आंधी-बारिश, दिल्ली-एनसीआर में कारों पर पेड़ गिरे

सतर्क

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल /जयपुर/ लखनऊ/ शिमला/ देहरादून। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बटोही इलाके में गुरुवार को बादल फटा है। बादल फटने के बाद बाढ़ जैसे हालात बन गए। पानी और मलबा रिहायशी इलाके में पहुंच गया, जिससे कई घरों को नुकसान हुआ। प्रशासन और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंच गई हैं। पहाड़ी ढलानों के पास रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इधर, गुरुवार को मानसून केरलम पहुंच गया है। अगले 2-3 दिन यह गोवा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु को कवर कर सकता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

"वहीं, दिल्ली-एनसीआर में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक जाम लग गया।

एमपी और दिल्ली-एनसीआर में बारिश

मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70kmph की रफ्तार से आंधी चली। 200 से ज्यादा जगहों पर पेड़ की टहनियां टूट कर गिर गई है।

यूपी सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं : योगी

योगी बोले पर्यटन से रोजगार-अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिल रही, टूरिज्म पॉलिसी में होंगे बदलाव

बैठक

■ अधिकारियों ने बताया कि अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों का सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जा चुका है।

हेमन्त कृष्णा

तमसा संकेत, लखनऊ। सीएम योगी ने गुरुवार, 4 जून को पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूपी सिर्फ आस्था और धार्मिक पर्यटन का केंद्र नहीं है। ये भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रदेश है। पर्यटन को केवल सड़क, भवन और अन्य सुविधाओं तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और प्रदेश की वैश्विक पहचान से जोड़कर डेवलप किया जाना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)

13.70 लाख से ज्यादा पांडुलिपियों का सर्वे और डिजिटलीकरण

बैठक में भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े 'ज्ञान भारतम् मिशन' की भी समीक्षा की गई। सीएम ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका प्रोटेक्शन और डिजिटलीकरण केवल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का काम नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का जरिया भी है।

पर्यटन नीति में बदलाव की तैयारी, नए सर्किट पर फोकस

पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा करते हुए सीएम ने कहा कि यूपी को निवेश, इनोवेशन और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट और बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट विकसित करने पर चर्चा हुई।

इसके अलावा 'परंपरा' विरासत अनुभव केंद्र और कृषि पर्यटन जैसी नई कॉन्सेप्ट को बढ़ावा देने पर भी विचार किया गया। सीएम ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी होनी चाहिए जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को अलग तरह का अनुभव दे।

चर्चा : विवेक मौर्य की सक्रियता बनी सियासी फोकस, लखनऊ से लेकर जिले तक नजरें

जिलाध्यक्ष ताजपोशी के बाद बदले समीकरण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। भाजपा में जिलाध्यक्ष पद पर दिलीप देव पटेल की ताजपोशी के बाद जिले की संगठनात्मक राजनीति में नए समीकरण उभरते दिखाई दे रहे हैं। पूरे घटनाक्रम में भाजपा नेता विवेक मौर्य की लगातार सक्रिय मौजूदगी चर्चा के केंद्र में है।

लखनऊ पार्टी मुख्यालय से लेकर अम्बेडकरनगर तक दोनों नेताओं की एक साथ मौजूदगी को लेकर संगठन के भीतर नई राजनीतिक चर्चा शुरू हो गई है।

इस पूरे घटनाक्रम ने जिले की राजनीति में नई बहस को जन्म दिया है। पार्टी के भीतर अब यह भी चर्चा है कि संगठनात्मक ढांचे में संतुलन और नई टीम के साथ आगे की रणनीति कैसे तय होगी। जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी के बाद बनी यह नई स्थिति अब स्थानीय राजनीति में चर्चा का प्रमुख विषय बन गई है। फिलहाल यह पूरा घटनाक्रम जिले में भाजपा की आंतरिक राजनीति को नई दिशा देता दिखाई दे रहा है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सफर से लेकर स्वागत तक चर्चा में रहे विवेक मौर्य

जिलाध्यक्ष चयन और ताजपोशी के बाद स्वागत कार्यक्रमों में जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, वहीं विवेक मौर्य की भूमिका विशेष रूप से चर्चा में रही। बताया जा रहा है कि वे लखनऊ से जिलाध्यक्ष को जिले तक लेकर पहुंचे और कई कार्यक्रमों में उनके साथ नजर आए। इसी वजह से संगठन के भीतर उनकी सक्रियता को लेकर अलग-अलग तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं।

■ राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है, लेकिन संगठन के भीतर चल रही गतिविधियों को इसी नजरिए से देखा जा रहा है।

संगठन में उभरते दो चेहरे, नई रणनीति की चर्चा

जिले की भाजपा राजनीति में लंबे समय बाद दो युवा चेहरों की सक्रियता एक साथ दिखाई दे रही है। एक तरफ जिलाध्यक्ष के रूप में संगठन की जिम्मेदारी, तो दूसरी तरफ विवेक मौर्य की लगातार बढ़ती राजनीतिक सक्रियता। पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा भी तेज है कि आने वाले समय में संगठन और चुनावी रणनीति में इन दोनों चेहरों की भूमिका अहम हो सकती है।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

पीड़ित बोली- कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

पुणे। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी।

ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। पीड़ित महिला ने कहा अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

प्रयागराज में खाना खाकर घर लौटते समय कार पेड़ से टकराई, 3 दोस्त घायल

सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की हादसे में हुई मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में सड़क हादसे में समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव की मौत हो गई। बुधवार देर रात करीब 1 बजे सिविल लाइंस क्षेत्र में घर लौटते समय उनकी तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे का वीडियो भी सामने आया है।

हादसा इतना भयावह था कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पिचक गया। दुर्घटना में कार में सवार 3 लोग भी घायल हो गए।

लोहिया वाहिनी के सचिव रत्नेश यादव राजनीति के साथ बिजनेस भी करते थे। हंडिया क्षेत्र के दमदम गांव के रहने वाले लोहिया वाहिनी नेता रत्नेश यादव प्रिंटिंग के बिजनेस से जुड़े थे। उनकी शहर में ही प्रिंटिंग प्रेस है। 3 जून (बुधवार) की रात काम खत्म करने के बाद रत्नेश कार से अपने 3 दोस्तों हिमांशु त्रिपाठी, सूर्या यादव, संदीप कुमार के साथ सिविल लाइन जा रहे थे। गाड़ी हिमांशु चला रहा था। रत्नेश पीछे वाली सीट बैठे थे।

रत्नेश साल-2021 से सपा लोहिया वाहिनी के प्रदेश सचिव के पद पर तैनात थे। उनकी नेता नगर, कीडगंज में ग्लोबल ग्राफिक्स के नाम से बड़ी प्रिंटिंग प्रेस है। जहां फ्लेक्स, होर्डिंग, बैनर आदि बनाने का काम होता है।

हिमांशु ने बताया कि रात करीब एक बजे वो लोग डोसा खाकर आगे बढ़े ही थे, तभी कार के सामने अचानक कुत्ता आ गया। इससे दोसा प्लाजा चौराहे के पास कार बेकाबू हो गई। तेज रफ्तार कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में हिमांशु त्रिपाठी, सूर्या यादव, संदीप कुमार को चोटें आई हैं। हादसे के दौरान कार की ड्राइवर सीट का एयरबैग खुल गया था। इससे हिमांशु की जान बच गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला बाईं तरफ का हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे।

भाई बोले- कुछ लोगों ने फोन कर भइया को बुलाया था

पुलिस के अनुसार, रत्नेश यादव के सिर और सीने में गंभीर चोटें आने से उनकी मौत हुई। रत्नेश के छोटे भाई मिथलेश ने बताया कि बुधवार शाम 7 बजे भइया के पास किसी का फोन आया था। फोन करने वाले ने कहा था कि रात में 11 बजे हम आपसे मुलाकात करेंगे। यह बात भइया ने हम लोगों को भी बताई थी। रात 11 बजे भइया ने रेस्टोरेंट दोसा प्लाजा वाले को फोन किया था। उससे कहा था कि हम चार लोग हैं। सभी के लिए एक-एक प्लेट डोसा लगवा दो। हम लोग आ रहे हैं।

इसके बाद वह अपनी ब्रेजा कार से निकल गए थे। रेस्टोरेंट के बाहर उन्होंने गाड़ी खड़ी कर दी थी। फिर भइया ने रेस्टोरेंट वाले से कहा कि डोसा कार में ही भिजवा दो। मिथलेश ने बताया कि भइया के सिर के बीचो-बीच मारा गया है।

मथुरा में 7 साल की बच्ची से श्मशान में रेप

सोते समय मां के पास से उठा ले गया

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। मथुरा में 7 साल की बच्ची के साथ युवक ने श्मशान में रेप किया। हालत बिगड़ने पर बच्ची को वहीं छोड़कर फरार हो गया। बच्ची मां के साथ सो रही थी। आरोपी खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुसा। बच्ची का मुंह दबाने के बाद उसे लेकर भाग गया।

घरवाले उसे खोजते हुए श्मशान पहुंचे तो बच्ची लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। उसने बताया कि गांव के ही रहने वाले युवक ने उसके साथ गलत काम किया। घरवालों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। घटना बुधवार देर रात की है। मथुरा के एक गांव निवासी युवक ड्राइवर है। वह किराए पर टैक्सी चलाता है। बुधवार रात उसकी 7 साल की बेटी मां के साथ चारपाई पर सो रही थी। दूसरे कमरे में उसके पिता और अन्य भाई बहन सो रहे थे। आधी रात को आरोपी राहुल खिड़की तोड़कर घर के अंदर घुस आया।

इसके बाद उसने घर का मेन गेट खोला। फिर मां के पास सो रही बच्ची को गोद में उठा लिया। वह शोर न मचा पाए, इसलिए उसका मुंह दबा दिया। आरोपी बच्ची को घर से करीब 500 मीटर दूर श्मशान स्थल पर ले गया। यहां बच्ची के साथ रेप किया। पीड़िता ने शोर मचाया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा दिया। इससे बच्ची की हालत बेसुध हो गई। बच्ची की हालत बिगड़ने पर आरोपी उसे छोड़कर भाग गया।

फास्ट न्यूज

ओमकार अपहरण और गोलीकांड मामले में पांच और गिरफ्तार

गाजियाबाद । लोनी के गनौली गांव निवासी ओमकार को गोली मारकर अगवा किए जाने के चर्चित मामले में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। इसके साथ ही अब तक कुल 17 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। 30 मई को गनौली गांव निवासी सुरेंद्र ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कुछ लोगों ने ओमकार को गोली मारने के बाद जबरन गाड़ी में डालकर अपने साथ ले गए।

भारत-नेपाल बॉर्डर पर बने स्थाई स्वास्थ्य जांच चौकियां

गोरखपुर। गोरखपुर के बाल रोग विशेषज्ञ डा. आरएन सिंह ने भारत-नेपाल सीमा के सभी लैंड पोर्ट्स पर स्थायी स्वास्थ्य जांच चाकियां स्थापित करने की मांग की है। मिशन सेव इंडिया के संस्थापक डा. सिंह ने कहा कि संक्रामक रोगों को देखते हुए सीमा के सभी प्रवेश द्वारों (लैंड पोर्ट्स) पर स्थायी स्वास्थ्य जांच चौकियां स्थापित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर तेजी से फैलने वाली संक्रामक एवं घातक वायरल बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए देश की सीमाओं पर स्वास्थ्य सुरक्षा को और मजबूत बनाना समय की आवश्यकता है।

रांग साइड आ रहे डंपर ने बाइक सवारों को उड़ाया

कानपुर। पनकी में डीजल लेने के लिए बाइक सवार दो युवकों को रांग साइड आ रहे नगर निगम के डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एक युवक ने दम तोड़ दिया। पनकी इंडियल ऑयल गैस प्लांट के पास हुए हादसे का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिसमें पूरी घटना कैद हो गई।

गेंद के बहाने घुसा कारोबारी की पत्नी की कर दी हत्या

सहारनपुर में दोस्त के साथ मिलकर की वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में कारोबारी की पत्नी की हत्या पड़ोसी युवक ने अपने दोस्त के साथ मिलकर की थी। वह बॉल लेने के बहाने घर में घुसा और महिला का गला काट दिया। इसके बाद उनके कान काटकर सोने के कुंडल भी लूट लिए थे।

दोस्त पर काफी कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए उसने महिला के पड़ोसी युवक के साथ मिलकर वारदात की। पुलिस ने बुधवार देर रात पड़ोसी युवक अंकुर गुप्ता और उसके दोस्त सलमान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सलमान के कब्जे से लूटे गए कुंडल, हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू और एक बाइक बरामद की है।

गुरुवार को घटना का खुलासा करते हुए SSP अभिनंदन ने बताया- एक आरोपी अंकुर गुप्ता को पहले गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी सलमान की तलाश की जा रही थी। गुरुवार को पुलिस ने घेराबंदी कर सलमान को पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस की पकड़ से भागने के लिए उसने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके पैर में लगी। इससे वह गिर पड़ा और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि अंकुर गुप्ता मृतका पूनम मित्तल का पड़ोसी है। उसका दोस्त सलमान पास के मोहल्ले में रहता है। सलमान पर काफी कर्ज था। यह बात उसने अंकुर गुप्ता को बताई।

पैसे मांगने पर जान से मारने की दी धमकी, केस दर्ज, अब भाजपा ने आरोपी से किनारा किया

अयोध्या में भाजपा नेता ने हड़पे परमहंसाचार्य के 2 लाख रुपये

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में एक कथित भाजपा नेता के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने के गंभीर आरोप सामने आए हैं। जगद्गुरु परमहंसाचार्य ने बुधवार को सीओ अयोध्या को तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जगद्गुरु परमहंसाचार्य का आरोप है कि कई महीने पहले सच्चितानंद पांडेय नामक व्यक्ति ने अपने घर में बीमारी का हवाला देते हुए उनसे दो लाख रुपये उधार लिए थे। उन्होंने बताया कि तय समय बीत जाने के बावजूद आरोपी ने रकम वापस नहीं की और लगातार टालमटोल करता रहा।

राधेश्याम त्यागी ने आरोप लगाया कि सच्चिदानंद पांडे ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष संजीव सिंह के साथ अभद्रता की थी।उन्होंने बताया कि भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी प्रवेश मिश्रा से भी कथित अभद्रता का मामला दर्ज है और पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान से समझौता नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि सच्चितानंद पांडेय का नाम इससे पहले भी विवादों में सामने आ चुका है। पूर्व में सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की मौजूदगी में तत्कालीन भाजपा जिला अध्यक्ष के साथ कथित मारपीट का मामला चर्चा में रहा था। हालांकि उस मामले में क्या कार्रवाई हुई थी, यह स्पष्ट नहीं है। फिलहाल पुलिस वर्तमान शिकायत की जांच में जुटी हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी।

रुपए मांगने पर मिली जान से मारने की धमकी

परमहंसाचार्य के अनुसार, उन्होंने कई बार फोन और अन्य माध्यमों से अपनी धनराशि वापस मांगी, लेकिन आरोपी ने पैसे लौटाने के बजाय उन्हें धमकाना शुरू कर दिया। जब उन्होंने रकम वापस करने का दबाव बनाया तो आरोपी ने जान से मरवाने की धमकी दी।

मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विभागीय योजनाओं में स्वीकृत धनराशि और उन्हें मिलने वाले भुगतान के बीच भारी अंतर

बोरिंग मिस्त्रियों और मजदूरों ने उठाई मजदूरी बढ़ाने की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विकास खंड सूरतगंज क्षेत्र के दर्जनों बोरिंग मिस्त्रियों, मजदूरों एवं विक सिंग कार्य से जुड़े श्रमिकों ने लघु सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए खंड विकास अधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। श्रमिकों ने विभागीय योजनाओं में स्वीकृत धनराशि और उन्हें मिलने वाले भुगतान के बीच भारी अंतर होने का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच तथा मजदूरी बढ़ाए जाने की मांग की है। श्रमिकों का कहना है कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा किसानों को उपलब्ध कराई जाने वाली नलकूप (बोरिंग) योजनाओं के तहत ड्रिलिंग और संबंधित कार्य वे लोग करते हैं, लेकिन उन्हें प्रति बोरिंग मिस्त्री,

मजदूर और विक सिंग चार्ज के नाम पर मात्र लगभग 1800 रुपये का भुगतान किया जाता है। जबकि विभागीय अभिलेखों के अनुसार सामान्य वर्ग के लाभार्थियों की बोरिंग पर करीब 9 हजार रुपये तथा अनुसूचित जाति वर्ग के लाभार्थियों की बोरिंग पर लगभग 11 हजार रुपये तक श्रम एवं अन्य मदों में भुगतान स्वीकृत बताया जाता है।

शिकायतकर्ताओं बृजेश, हरिओम, जमुना, झगरू, राजकुमार, शुभम, लालचंद, नरेश, दुर्गेश, विक्रम, दुर्वेश, विजय, हरिश्चंद्र, सूरज, उमेश और गुड्डू सहित अन्य श्रमिकों ने आरोप लगाया कि स्वीकृत राशि और उन्हें मिलने वाले मेहनताने के बीच बड़ा अंतर है। उनका कहना है कि वास्तविक काम करने वाले मजदूरों और मिस्त्रियों को उचित भुगतान नहीं मिल रहा, जिससे उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। श्रमिकों ने यह भी आरोप लगाया कि बोरिंग कार्य तकनीकी कारणों से फेल होने पर उसी निर्धारित भुगतान में दोबारा कार्य कराने का दबाव बनाया जाता है।

मजदूरों और मिस्त्रियों ने खंड विकास अधिकारी से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, विभागीय भुगतान प्रक्रिया की समीक्षा की जाए तथा यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही उनकी मजदूरी बढ़ाकर कार्य के अनुरूप उचित पारिश्रमिक सुनिश्चित किया जाए।

टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से अधिकृत ठेकेदारों का चयन

इस संबंध में खंड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा बोरिंग कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से अधिकृत ठेकेदारों का चयन किया जाता है। मजदूरों और मिस्त्रियों को भुगतान करने की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदारों की होती है। उन्होंने कहा कि श्रमिकों की शिकायत को गंभीरता से लिया गया है तथा अधिकृत ठेकेदारों को बुलाकर उनसे बातचीत की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

बृजभूषण सिंह की बेटी सूर्या की मां से मिलीं

कहा- योगीजी अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण सिंह की बेटी शालिनी गुरुवार दोपहर गाजियाबाद में सूर्या चौहान के घर पहुंचीं। मां और भाई से मिलीं। घर के बाहर जमीन पर बैठकर उन्होंने बातचीत की और ढांढस बंधाया। साथ ही सूर्या को पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने कहा- हमने सूर्या के बड़े भाई को नौकरी का ऑफर दिया है। सूर्या हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा। योगीजी, अपराधियों का मनोबल तोड़ दीजिए।

शालिनी सिंह ने कहा-सरकार को अवैध मदरसे तुरंत गिराने चाहिए। इतने बड़े-बड़े अवैध मदरसे कैसे बन रहे हैं, कागज तो दिखाने ही चाहिए। जिन मदरसों में बच्चों को गलत शिक्षा दी जा रही, उन्हें भी ढहाया जाए। ये इंसान को इंसान नहीं रहने दे रहे। जो लोग इतना जघन्य अपराध करके वीडियो बना रहे, ऐसी मानसिकता कहां से उपज रही है? इन्हें कौन शिक्षा दे रहा है?

जिस खोड़ा इलाके में बकरीद के दिन सूर्या की हत्या हुई थी, वहां 7 दिन से तनावपूर्ण स्थिति है। हिंदू संगठनों के लोग लगातार सूर्या के घर पहुंच रहे हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस फोर्स तैनात है। हालांकि, अब 10 से 15 फीसदी दुकानें खुलने लगी हैं। मुख्य आरोपी असद एनकाउंटर में मारा जा चुका है।

अपील : हरदोई में भाई फैजल बोले- तहसीलदार की लापता मां को खोजने वाले को 2.51 लाख देंगे

'आमिर खान गाय-भैंस नहीं कि साथ लाऊं'

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। मशहूर फिल्म अभिनेता आमिर खान के बड़े भाई और अभिनेता फैसल खान गुरुवार को हरदोई स्थित अपने पैतृक गांव पहुंचे। उन्होंने तहसीलदार संध्या यादव से मुलाकात की। एक महीने पहले लापता हुईं उनकी मां लल्ली देवी (71) की तलाश में मदद करने के लिए लोगों से अपील की।

फैसल खान ने कहा-लल्ली देवी पिछले एक महीने से लापता हैं। परिवार उनकी तलाश के लिए लगातार प्रयास कर रहा। उनकी सकुशल जानकारी देने या उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाने वाले व्यक्ति को 2 लाख 51 हजार रुपए का इनाम दिया जाएगा।

आमिर खान के गांव नहीं आने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा, "वो कोई गाय-भैंस तो हैं नहीं कि पकड़कर ले आऊं। जब उनका मन होगा, वे खुद आ जाएंगे।"

दरअसल, आमिर और फैसल खान के पूर्वज शाहबाद क्षेत्र के निवासी थे। परिवार की करीब 120 बीघा कृषि भूमि और बाग अख्तियारपुर-दिलावरपुर गांवों में स्थित है। फैसल खान इन खेतों और बागों की देखरेख करते हैं। फैसल, फिल्म मेला सहित कई फिल्मों में अभिनय कर चुके हैं। तहसीलदार संध्या यादव ने बताया- उनकी मां लल्ली देवी 30 अप्रैल 2026 को लखनऊ के अर्जुनगंज-अहिमामऊ क्षेत्र स्थित एक मंदिर में दर्शन करने गई थीं।

हरदोई पहुंचे अभिनेता फैसल खान ने तहसीलदार संध्या यादव की मां का पता लगाने के लिए लोगों से अपील की।

फैसल बोले- पैतृक जमीन की देखरेख के लिए आया

फैसल खान ने मीडिया से भी बातचीत की है। गांव आने के मकसद पर उन्होंने बताया कि शाहाबाद क्षेत्र के अख्तियारपुर और दिलावरपुर गांव में उनके परिवार की करीब 120 बीघा पैतृक जमीन और बागान हैं। उनकी देखरेख के लिए वह यहां आए हैं। खेती और फार्मिंग में उनकी हमेशा रुचि रही है। अब वह स्वयं इसकी जिम्मेदारी संभालना चाहते हैं।

संध्या यादव ने बताया- मेरी मां लल्ली देवी की लंबाई लगभग पांच फीट है। वह अंतिम बार लाल साड़ी और हरी चूड़ियां पहने हुए देखी गई थीं। उनकी पहचान का सबसे प्रमुख चिन्ह बाएं हाथ पर बना 'लल्ली देवी' और 'रामधारी' नाम का टैटू है।

30 अप्रैल 2026 को लखनऊ के अर्जुनगंज-अहिमामऊ क्षेत्र स्थित एक मंदिर में दर्शन करने तहसीलदार की मां लल्ली देवी गईं थीं।उसी दिन से लापता हैं।

मंदिर से निकलने के बाद वह रास्ता भटक गईं और फिर घर नहीं लौट सकीं। आखिरी बार उन्हें अहिमामऊ स्थित शहीद पथ सर्विस लेन के पास फौजी ढाबा क्षेत्र में देखा गया था।

विश्व पर्यावरण महोत्सव के पंचम दिवस पर जागरूकता रैली का आयोजन

रैली का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण विज्ञान विभाग, बरेली कॉलेज, बरेली द्वारा Environment, Agriculture and Education Society (EAES), Bareilly एवं BRIJ Vigyan Bharti के सहयोग से आयोजित "7-दिवसीय विश्व पर्यावरण महोत्सव – 2026" के पंचम दिवस पर एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रबन्धन समिति के सचिव श्री देवमूर्ति के संरक्षण, प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन तथा स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के निदेशक डॉ. अतुल यादव एवं पूर्व निदेशक प्रो. ए.पी. सिंह के मार्गदर्शन में सम्पन्न किया जा रहा है।

रैली का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, स्वच्छता एवं जन-जागरूकता को बढ़ावा देना था। रैली का शुभारम्भ बरेली कॉलेज परिसर से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शोधार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने हाथों में जागरूकता संदेशों से युक्त तख्तियाँ लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुँचाया।

रैली के दौरान "प्रकृति का श्रृंगार करो", "पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ", "पर्यावरण बचाओ", "हरियाली अपनाओ, जीवन बचाओ" जैसे नारों से पूरा परिसर गूंज उठा। विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं हरित भविष्य के निर्माण के प्रति लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया।

विभागाध्यक्ष प्रो. जसपाल सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की निरंतर जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने तथा पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान किया।

डीएम-एसपी ने की तैयारियों की समीक्षा, सुरक्षा और पारदर्शिता पर विशेष जोर

पुलिस भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन सतर्क

बैठक

बृजेंद्र वीर सिंह

10 केंद्रों पर तीन दिन चलेगी परीक्षा

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से आयोजित पुलिस भर्ती परीक्षा-2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। परीक्षा 8, 9 और 10 जून को जिले के 10 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित होगी। इसे लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया और

> जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और शुचिता के साथ संपन्न कराया जाएगा। परीक्षा व्यवस्था में किसी भी स्तर पर लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखें।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, गोपनीयता, निगरानी तंत्र और ड्यूटी में लगाए गए अधिकारियों व कर्मचारियों की जिम्मेदारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं और निर्धारित दायित्वों का पूरी गंभीरता के साथ निर्वहन किया जाए।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की नकल, अवांछित गतिविधि या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती और सघन निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून को आयोजित होगी। प्रथम पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी।

सभी केंद्रों का दोबारा निरीक्षण करने के निर्देश

जिलाधिकारी ने सेक्टर और स्टेटिक मजिस्ट्रेटों को अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का पुनः निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए पेयजल और छाया की समुचित व्यवस्था करने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारी बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का गहन अध्ययन कर लें। परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित होनी चाहिए।

जिले में सड़क किनारे मिला 40 वर्षीय व्यक्ति का शव

पुरानी तहसील के पास टांडा मार्ग पर दोपहर में मिली सूचना

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र में पुरानी तहसील के पास टांडा मार्ग पर बुधवार दोपहर एक 40 वर्षीय व्यक्ति का शव सड़क किनारे मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सम्मनपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी 40 वर्षीय राकेश कुमार पुत्र दीपमन के रूप में हुई है। परिजनों और स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर पहचान की पुष्टि की गई।

स्थानीय लोगों का कहना है कि राकेश कुमार सुबह करीब 11 बजे से अकबरपुर पुरानी तहसील के आसपास घूमते हुए दिखाई दिए थे। इसके बाद वह टांडा मार्ग स्थित बाबा गैस एजेंसी के सामने सड़क किनारे गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शाम करीब 4 बजे जब लोगों ने उन्हें उठाने की कोशिश की, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर मौके पर भीड़ जुट गई और पुलिस को जानकारी दी गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृतक शराब के नशे की हालत में थे। प्रारंभिक जांच में भी नशे की स्थिति की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। अकबर-पुर थानाध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फास्ट न्यूज

भाजपा नेता सच्चिदानंद पांडेय पर दो लाख रुपये हड़पने का आरोप

अम्बेडकरनगर। अयोध्या में भाजपा नेता सच्चिदानंद पांडेय के खिलाफ दो लाख रुपये हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई जगद्गुरु परमहंस आचार्य की शिकायत के आधार पर की गई। मामला कोतवाली अयोध्या में दर्ज हुआ है और पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

सीएचसी बसखारी की व्यवस्थाओं पर उठे सवाल

अम्बेडकरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बसखारी की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज है। एक तरफ अस्पताल में पेयजल व्यवस्था बाधित होने से मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सीएचसी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में कथित रूप से संचालित अवैध क्लीनिकों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार दरगाह, अरूसा, हंसवर, हरैया, मसड़ा और सरजू नगर समेत कई क्षेत्रों में लंबे समय से बिना मानक और अनुमति के क्लीनिक संचालित होने की चर्चा है।

मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर ने रचा नया कीर्तिमान

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मेडिकल कॉलेज के ऑर्थोपेडिक विभाग को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामि-नेशंस इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) से पांच वर्षों के लिए प्रोविजनल एक्रिडिटेशन प्राप्त हुआ है।

निर्माण कार्य के दौरान छत से गिरा राजमिस्त्री, इलाज के दौरान मौत

भीटी क्षेत्र के टेमा गांव में हादसा, दो दिन बाद बिगड़ी हालत

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भीटी थाना क्षेत्र के टेमा गांव में निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर एक राजमिस्त्री की मौत हो गई। घटना के बाद इलाज जारी रहा, लेकिन दो दिन बाद हालत बिगड़ने पर उनकी मौत हो गई। परिजनों में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार गोविंदपुर कुंडवा निवासी 50 वर्षीय राम आशीष बुधवार को टेमा गांव में निर्माण कार्य में लगे थे। शाम करीब चार बजे छत पर काम करते समय अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़े। हादसे में सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद परिजन उन्हें अकबरपुर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। परिजनों के अनुसार रात के समय उनकी तबीयत फिर बिगड़ने लगी। शुक्रवार सुबह हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीटी ले जाया जा रहा था। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने उन्हें वापस गांव लाया।

राजमिस्त्री की मौत की खबर से गांव में शोक का माहौल हो गया। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। स्थानीय लोग परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे रहे।

भीटी प्रभारी निरीक्षक श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर जांच की जाएगी। आवश्यक कार्रवाई जांच के आधार पर आगे बढ़ाई जाएगी।

अपराध गोष्ठी में पुलिस कप्तान का स्पष्ट संदेश, कानून-व्यवस्था से समझौता नहीं

महिला अपराध और लूट-चोरी पर सख्त निगरानी के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए पुलिस प्रशासन ने रणनीति तेज कर दी है। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित अपराध गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने जिले के सभी पुलिस अधिकारियों के साथ अपराधों की समीक्षा की और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए।

गोष्ठी में अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी एवं पश्चिमी, सभी क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष तथा विभिन्न शाखाओं के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में महिला सुरक्षा, संगठित अपराध, चोरी-लूट की घटनाओं और जन शिकायतों के निस्तारण को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा भी की गई। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं से स्वयं वार्ता कर फीडबैक लिया जाए। इससे शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण और पुलिस की जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी। थानों पर नियमित रात्रि गणना और अभिलेखों के अद्यतन रखरखाव के भी निर्देश दिए गए। जिले में चोरी और लूट की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी थाना क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए। संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही गौकशी से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

महिला अपराधों पर विशेष फोकस

पुलिस अधीक्षक ने महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी थाना प्रभारियों को संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में प्रभावी पुलिसिंग के साथ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही शातिर और अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया।

व्यापारी संवाद कार्यक्रम में जीएसटी अनुपालन पर जोर

व्यापारियों की समस्याओं का किया गया समाधान

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अम्बेडकरनगर। राज्य कर विभाग की ओर से जलालपुर ब्लॉक स्थित डवाकरा हॉल में गुरुवार को व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में व्यापारियों को जीएसटी से जुड़े नियमों, अनुपालन और डिजिटल प्रक्रिया की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में डिप्टी कमिश्नर पशुपति प्रताप सिंह का स्वागत भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने बुके देकर किया। विभागीय अधिकारियों ने व्यापारियों के साथ सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान भी बताया।

डिप्टी कमिश्नर ने व्यापारियों को जीएसटी रिटर्न, ई-वे बिल, इनपुट टैक्स क्रेडिट और कर भुगतान से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया और कहा कि इससे व्यापारिक व्यवस्था अधिक पारदर्शी और सुगम बनती है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग का उद्देश्य व्यापार सुगमता बढ़ाना और करदाताओं के हितों की रक्षा करना है। व्यापारियों से नियमित पंजीकरण और समय पर कर भुगतान करने की अपील की गई।

कार्यक्रम में असिस्टेंट कमिश्नर रविन्द्र कुमार और राज्य कर अधिकारी इन्द्र प्रताप सिंह ने व्यापारियों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब दिए। कई मामलों में मौके पर ही शंकाओं का समाधान किया गया, जिससे व्यापारियों को राहत मिली।

आयुष्मान योजना से लाखों को राहत, जिले में मजबूत हुआ स्वास्थ्य ढांचा

स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

योजना

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जनपद की स्वास्थ्य सेवाएं पिछले एक वर्ष में विस्तार के नए स्तर पर पहुंची हैं। सरकारी और आयुष पद्धति के माध्यम से लाखों मरीजों को उपचार मिला है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार एलोपैथिक चिकित्सा से 30,54,918 मरीजों का इलाज किया गया है, जबकि आयुर्वेदिक पद्धति से 2,34,157 रोगियों को लाभ मिला है।

जनपद में आयुष्मान भारत योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के तहत 40 चिकित्सीय इकाइयां शामिल हैं, जिनमें 12 सरकारी और 28 निजी अस्पताल हैं। अब तक 7,78,602 लाभार्थियों को इस योजना के तहत निःशुल्क उपचार की सुविधा दी जा चुकी है। उपचार पर संबंधित अस्पतालों को लगभग 90.38 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार और सेवाओं की गुणवत्ता सुधार पर लगातार काम किया जा रहा है। प्राथमिक स्तर पर इलाज को मजबूत करने के साथ विशेषज्ञ सेवाओं को भी बेहतर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। फिलहाल आंकड़ों के आधार पर जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रदेश में एक मजबूत मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

मजबूत हुआ स्वास्थ्य संस्थानों का नेटवर्क

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए व्यापक ढांचा सक्रिय है। वर्तमान में एक राजकीय मेडिकल कॉलेज, एक जिला चिकित्सालय, 11 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, 31 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 5 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं। इन संस्थानों के जरिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित की जा रही है। मरीजों को प्राथमिक से लेकर विशेषज्ञ उपचार तक की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

> जिले में अब तक 9,13,000 आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इन कार्डों के माध्यम से पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को गंभीर बीमारियों के इलाज में बड़ी राहत मिल रही है।

चलेगा समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान

विभागों को सौंपे गए दायित्व, श्रवण धाम से होगा अभियान का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 5 जून से 21 जून तक जिले में समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याण-कारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से जोड़ना तथा जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित कार्यक्रमों का समयबद्ध और प्रभावी संचालन करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि अभियान के तहत आयोजित सभी कार्यक्रमों में अधिकतम जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक गतिविधि को जनकेंद्रित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने विभागों से अभियान को व्यापक स्तर पर सफल बनाने के लिए पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा।

बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके तहत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम चलेंगे, जबकि 11 से 14 जून तक मीडिया संवाद कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके अलावा 14 से 16 जून तक जन-कल्याण शिविर और स्वास्थ्य मेले लगाए जाएंगे। 16 और 17 जून को भारत विकसित संकल्प सम्मेलन का आयोजन होगा। तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। 18 और 19 जून को प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित होगी।

पॉक्सो-एससी-एसटी केस में आरोपी बरी, आठ साल बाद आया फैसला

अदालत ने साक्ष्यों को बताया विरोधाभासी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। वर्ष 2018 में दर्ज छेड़छाड़, पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के एक मामले में करीब आठ वर्ष बाद अदालत का फैसला सामने आया है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मोहन कुमार की अदालत ने आरोपी हबीब अहमद को सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। अदालत ने अपने निर्णय में अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों को अविश्वसनीय और विरोधाभासी माना। साथ ही शिकायतकर्ता के बयान में अंतर पाए जाने पर उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मामला इब्राहिमपुर क्षेत्र के फरीदपुर कला गांव का है। पांच अक्टूबर 2018 को दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि स्कूल जा रही एक नाबालिग छात्रा के साथ रास्ते में छेड़छाड़ की गई। इसके बाद पुलिस ने आईपीसी, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय भेजा था।

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के गवाहों के बयान अदालत में अलग पाए गए। वादी ने अपने बयान में कहा कि उसकी बहन ने किसी व्यक्ति का नाम नहीं बताया था। उसने यह भी दावा किया कि पुलिस ने सादे कागज पर हस्ताक्षर कराए और बाद में लिखे गए विवरण की जानकारी नहीं दी गई। पीड़िता के चचेरे भाई ने भी अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया। वहीं पीड़िता के बयान भी पुलिस, मजिस्ट्रेट और न्यायालय में अलग-अलग पाए गए।

न्यायालय ने कहा कि प्रस्तुत साक्ष्यों में गंभीर विरोधाभास हैं।

बहस : वायरल फोटो में कथित हिस्ट्रीशीटर की मौजूदगी, सोशल मीडिया पर चर्चा तेज

जिलाध्यक्ष स्वागत कार्यक्रम की तस्वीरों से सियासी तापमान बढ़ा

> मामले को लेकर अब तक भाजपा संगठन या जिला प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसी कारण राजनीतिक अटकलों और चर्चाओं को और बल मिल रहा है।

वार्तालाप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले की राजनीति में सोशल मीडिया पर वायरल हुई कुछ तस्वीरों ने नई हलचल पैदा कर दी है। तस्वीरों में भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल के स्वागत कार्यक्रम के दौरान कथित माफिया और हिस्ट्रीशीटर दिलीप वर्मा की मौजूदगी दिखाई दे रही है। इसके बाद राजनीतिक हलकों से लेकर सोशल मीडिया तक बहस तेज हो गई है। तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। एक पक्ष इसे केवल कार्यक्रम में उपस्थिति बता रहा है, जबकि दूसरा पक्ष इसे राजनीतिक मंचों पर विवादित चेहरों की मौजूदगी से जोड़कर देख रहा है। पोस्ट और टिप्पणियों के जरिए मुद्दा लगातार ट्रेंड में बना हुआ है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वायरल तस्वीरों ने जिले में कानून-व्य-वस्था और राजनीतिक छवि दोनों पर नई बहस शुरू कर दी है। हालांकि तस्वीरों की सत्यता और परिस्थितियों पर आधिकारिक पुष्टि अभी सामने नहीं आई है।

विपक्ष ने साधा निशाना

विपक्षी दलों ने इस मामले को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जब अपराध और कानून-व्यवस्था पर सख्ती की बात की जाती है, तो ऐसे व्यक्तियों की मौजूदगी गंभीर चिंता का विषय बनती है। विपक्ष इसे राजनीतिक नैतिकता से जोड़कर देख रहा है।

फिलहाल यह मामला जिले में राजनीतिक चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है, और सोशल मीडिया पर लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

पुराने ऑडिट का मानदेय अटका नया सोशल ऑडिट शुरू

आठ महीने बाद भी भुगतान नहीं मिलने का दावा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विकासखंड जहांगीरगंज में सोशल ऑडिट टीम के सदस्यों ने मानदेय भुगतान में देरी को लेकर नाराजगी जताई है। सदस्यों का दावा है कि पिछले वर्ष किए गए ऑडिट कार्य का मानदेय अभी तक नहीं मिला है, जबकि वर्ष 2026 के लिए नई टीमों का गठन होने के साथ नया सोशल ऑडिट भी शुरू हो चुका है।

सोशल ऑडिट सदस्यों के अनुसार उन्हें ड्यूटी किए करीब आठ माह बीत चुके हैं, लेकिन अब तक भुगतान नहीं किया गया। इससे टीम के सदस्यों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि मानदेय की स्थिति जानने के लिए उन्हें बार-बार ब्लॉक कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

सोशल ऑडिट टीम का गठन ग्रामीण विकास योजनाओं की निगरानी के लिए किया जाता है। टीम के सदस्य मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना सहित विभिन्न विकास कार्यों की जांच करते हैं। सदस्यों का कार्यकाल दो वर्ष का होता है और नियुक्ति जिला स्तर पर की जाती है।

सदस्यों का कहना है कि दो वर्ष के कार्यकाल में उन्हें सीमित संख्या में ऑडिट कार्य सौंपे जाते हैं। इसके बावजूद समय पर मानदेय भुगतान नहीं हो रहा है। उनका दावा है कि पिछले वर्ष के कुछ भुगतान भी काफी विलंब से प्राप्त हुए थे।

कुछ सदस्यों का आरोप है कि मानदेय की स्थिति को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

सम्पादकीय

अंधेरगर्दी की आग

दिल्ली में अवैध तरीके से विस्तारित हो रहे एक भवन के गिरने की चर्चा थमी भी नहीं थी कि एक होटल में आग लगने से 21 लोग मारे गए और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मरने वालों में अधिकांश वे हैं, जो पड़ोस के अस्पताल में अपने स्वजनों के उपचार के लिए आए थे। इनमें कई विदेशी भी थे। आग होटल के बेसमेंट में स्थित रेस्त्रां में लगी। आग लगने का कारण कुछ भी हो, उसने इसलिए विकराल रूप ले लिया, क्योंकि रेस्त्रां और 25 कमरों वाले इस होटल में निकास का दरवाजा एक ही था। इससे भी खतरनाक बात यह थी कि न तो आग से बचाव के उपाय थे और न ही अग्निशमन विभाग का अनापत्ति प्रमाणपत्र। साफ है कि अग्निशमन विभाग ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई कि इस होटल में आग से बचाव के उपाय हैं या नहीं?

तथ्य यह भी है कि इस होटल में कई कमरे अवैध तरीके से निर्मित हुए। छह की जगह 25 कमरे बना दिए गए और इस तरह एक छोटा होटल बड़े होटल में तब्दील हो गया। कहीं पर किसी भी भवन में अवैध निर्माण इस तरह करना संभव नहीं कि वह किसी को दिखे नहीं, पर दिल्ली ही नहीं, देश भर में स्थानीय निकायों के अधिकारी-कर्मचारी कुछ ले-देकर न केवल अवैध निर्माण होने देते हैं, बल्कि सुरक्षा उपायों की उपेक्षा भी। नतीजा यह है कि रह-रह कर आग लगने की जानलेवा घटनाएं होती रहती हैं।

जनहानि वाली हर घटना के बाद गहन जांच और दोषियों को सख्त सजा देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, पर होता कुछ नहीं है। इस बार भी कुछ न हो तो हैरानी नहीं, क्योंकि हमारे औसत शासक-प्रशासक गंभीर हादसों से भी सबक न लेने के आदी हो गए हैं। स्थानीय निकायों के वे अधिकारी-कर्मचारी कभी कठोर दंड का पात्र नहीं बनते, जो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार होते हैं। संबंधित मंत्री की भी कोई जवाबदेही नहीं तय होती। बहुत होता है तो एक-दो अधिकारियों-कर्मियों का निलंबन हो जाता है। इसके बाद सब शांत हो जाता है और जांच रपटें धूल फांकती रहती हैं एवं हादसों को निमंत्रण देने वाला निर्माण होता रहता है। नगर निकायों के बेलगाम भ्रष्टाचार के कारण होने वाले अवैध निर्माण के चलते ही देश भर में रिहायशी इलाके व्यावसायिक गतिविधियों के केंद्र बनते जा रहे हैं।

सरकारें बदल जाती हैं, नगर निकायों के अधिकारी भी बदल जाते हैं, लेकिन यदि कुछ नहीं बदलता तो अवैध निर्माण और सुरक्षा उपायों की अनदेखी का सिलसिला। यह जानलेवा और शर्मनाक सिलसिला लोगों की जानें ही नहीं ले रहा है, देश की बदनामी कराने के साथ विकसित भारत की अपेक्षाओं पर पानी भी फेर रहा है। बार-बार पहले जैसे कारणों से हादसे होना अंधेरगर्दी, नाकारापन और नियामकीय बेशर्मी के अतिरिक्त और कुछ नहीं।

जीवन में धर्म का प्रभाव बना रहें

आचार्य तुलसी द्वारा रचित ये गीत अरे , धार्मिको किस प्रवाह में अब भी बहते जाते हो । सत्य धर्म की सही शान को खोते या रख पाते हो । गीत की पंक्तियाँ सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं । > धर्म की मजबूत नींव पवित्र आचरण ही कर सकता हैं । ज्ञान , विनम्रता, बुद्धि, भीतर का साहस, अच्छे कर्म, सच बोलने की आदत और ईश्वर में सच्चा विश्वास आदि हमें किसी भी विपत्ति से बचाएगा। हम जब योग, ध्यान और साधना आदि की बात करते हैं तो साधारणतया शरीर को मात्र एक साधन समझ कर अनदेखा कर देते हैं। ऐसा करते हुए हम नहीं समझते हैं कि यदि शरीर ही स्वस्थ नहीं रहेगा तब वह किसी भी प्रकार की साधना नहीं कर सकेगा। अतः समझना होगा कि छोटी या विशेष किसी भी प्रकार की साधना के लिए शरीर की तो मुख्य भूमिका है।अन्यथा सब कुछ बाधित होना निश्चित है। अतः शरीर की स्वस्थता के लिए हम हल्का सात्विक भोजन लें। वह दिन में लगभग आधा घंटा भ्रमण करें,निश्चिंत होकर निद्रा लें आदि- आदि। हम समझें कि ये क्रियायें केवल स्वास्थ्यवर्धक ही नहीं आध्यात्मिक अनुशासन भी है । हम शरीर को दंड नहीं प्रेम दें ताकि वह हमारी साधना में सहायक रहे। यह तो निर्विवाद है कि > कमजोर और बीमार शरीर में पर्याप्त ऊर्जा नहीं रहती और बिना ऊर्जा साधना नहीं हो सकती। अतः हम समझें किसी भी तरह की साधना के लिए शरीर को स्वस्थ रखने पर ध्यान दीजिए इसे आध्यात्मिक अनुशासन समझिए। हमारी सोच के मनोभाव जैसे होंगे वैसा ही हमारे जीवन पर प्रभाव पड़ेगा । क्योंकि हमारे केवल मन की तरंगें ही विचार नहीं हैं, वे चेतना को दिशा देते हैं । वह ऊर्जा को आकार देने वाली होते हैं । इसी प्रक्रिया से ही तो वे हमारे स्वप्न साकार करते हैं । हर विचार एक बीज हैं जो चित्त में पड़ कर फलित होता है। इसीलिए तो हम देखते हैं कि अच्छे विचार शान्ति, करुणा, साहस आदि जैसे सद्गुण पैदा करते हैं तथा नकारात्मक विचार भय, क्रोध, द्वेष जैसे दुर्गुण उत्पन्न करते हैं ।अतः अभीष्ट है कि हम अपने विचारों को सही दिशा में साधें और जीवन निर्माण की ओर लगा दें। मंगल के संदर्भ में शास्त्र में कहा गया हैं कि धर्म उत्कृष्ट मंगल हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया।

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम "प्लास्टिक प्रदूषण का अंत" (ठमंज च्संेजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और

अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है।

फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए।

दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा।

– ललित गर्ग

इस नीतिगत ...

मणिमाला शर्मा

कैसी हरित ऊर्जा, जो मरुधरा के कल्पवृक्ष को ही उजाड़ दे?

हर साल 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' का सालाना तमाशा शुरू होता है, जहाँ कॉर्पोरेट पीआर एजेंसियां, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और नीति निर्माता गमलों में कागजी पौधों के साथ तस्वीरें खिंचवाकर 'स्वच्छ ऊर्जा' और 'ग्रीन फ्यूचर' का पाखंडी राग अलापते हैं। लेकिन वैश्विक मंचों पर कार्बन रेटिंग सुधारने की इस कवायद की सबसे क्रूर और रक्तरंजित कीमत भारत का थार मरुस्थल चुका रहा है। पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बीकानेर और बाड़मेर जिलों में तथाकथित पर्यावरण अनुकूल सौर और पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार के नाम पर जो कुछ चल रहा है, वह विकास नहीं बल्कि एक सुनियोजित 'पारिस्थिकी नरसंहार' है।

राजस्थान सरकार ने अपनी महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा नीति के तहत 2030 तक 125 गीगावाट हरित ऊर्जा का जो विशालकाय लक्ष्य तय किया है, उसकी वेदी पर राजस्थान के राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' (प्रोसोपिस सिनेरिया) की निर्मम बलि चढ़ाई जा रही है। पर्यावरण सुधार का दावा करने वाली तकनीक खुद पर्यावरण के कत्लेआम का औजार बन चुकी है। हाल ही में राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस पर अत्यंत तीखी टिप्पणी करते हुए इसे ₹भयानक विडंबना₹ करार दिया है।

अदालत की यह फटकार प्रमाणित करती है कि हमारा आधुनिक विकास मॉडल अपनी दिशा और संवेदनशीलता पूरी तरह खो चुका है।

इस नीतिगत अंधेपन की सबसे बड़ी मार थार की 'लाइफलाइन' कहे जाने वाले खेजड़ी वृक्ष पर पड़ी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो खेजड़ी इस विषम शुष्क क्षेत्र की 'कीस्टोन प्रजाति' है, जिसके बिना मरुस्थल के पूरे इकोसिस्टम का ढह जाना तय है। इसकी जड़ें ज़मीन में 30 मीटर से भी अधिक गहराई तक जाकर मरुभूमि की रेत को बांधती हैं। सदियों से यह मरुस्थलीकरण (Desertification) को रोकने और रेतीले टीलों को आगे बढ़ने (Desert March) से रोकने का एकमात्र प्राकृतिक सुरक्षा कवच है। वैज्ञानिकों के मुताबिक़ यदि खेजड़ी नहीं रही, तो थार का दायरा तेजी से अरावली की पहाड़ियों को लांघकर दिल्ली, हरियाणा और उत्तर भारत के उपजाऊ मैदानी इलाकों को अपनी चपेट में ले लेगा। जलवायु परिवर्तन का जो संकट आज कागजों पर अमूर्त लगता है, वह कल हमारे दरवाज़े पर धूल के भयानक बवंडर बनकर दस्तक देगा।

राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने इस राज्य वृक्ष के कत्लेआम पर सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि तकनीकी प्रगति के नाम पर प्रकृति का विनाश किया जा रहा है। कोर्ट ने ऐतिहासिक 1730 के जोधपुर के खेजड़ली बलिदान को याद करते हुए टिप्पणी की है कि आज के शासकों को भी उसी तरह का 'फरमान' जारी करने की जरूरत है जो उस समय राजाओं ने पर्यावरण रक्षा के लिए जारी किया था। उच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश दिए हैं कि बिना कानूनी मंजूरी के एक भी खेजड़ी का पेड़ नहीं काटा जाएगा। इसके बाद राज्य सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है कि वैकल्पिक रास्तों को तलाशा जाए ताकि 'ग्रीन एनर्जी' के ग्रिड स्थापित करने के लिए इस दुर्लभ प्रजाति को नुकसान न पहुंचे। सरकार और बड़ी सौर ऊर्जा कंपनियों की सबसे बड़ी नीतिगत भूल यह है कि वे मरुस्थल की बंजर दिखने वाली जमीनों को आधिकारिक तौर पर 'वेस्टलैंड' (अनुत्पादक भूमि) मान लेते हैं। लेकिन थार कोई मृत भूमि नहीं है। यहाँ प्रति आधा वर्ग किलोमीटर में मुश्किल से एक या दो दुर्लभ खेजड़ी के पेड़ प्राकृतिक रूप से उगते हैं, जो सदियों से इस पारिस्थितिकी को जीवित रखे हुए हैं। इन पेड़ों को काटकर वहां कंक्रीट के आधार बनाना और चमकीले सौर पैनल बिछाना स्थानीय जैव विविधता का गला घोंटना है। खेजड़ी केवल एक पेड़ नहीं है, यह नाइट्रोजन स्थिरीकरण (Nitrogen Fixation) के जरिए मिट्टी को जीवन देता है। इसके साए में ही मरुस्थल के किसान अपनी पारंपरिक फसलें उगाते हैं और भीषण गर्मी में राज्य पक्षी गोडावण (Great Indian Bustard), चिंकारा, और काले हिरण जैसे संकटग्रस्त जीव शरण लेते हैं।

ड्रैगन फ्रूट की खेती में हरदोई के किसानों को मिला बेहतर आय का विकल्प

उत्तर प्रदेश के हरदोई जनपद के किसानों ने पारंपरिक कृषि की सीमाओं को लांघकर बागवानी के क्षेत्र में सफलता का एक नया अध्याय लिखा है। जनपद के संडीला क्षेत्र में ड्रैगन फ्रूट यानी कमलम की खेती ने प्रगतिशील किसानों के जीवन में समृद्धि के नए द्वार खोल दिए हैं। वर्ष 2026 में संडीला के किसानों द्वारा किया गया यह अभिनव प्रयोग पूरे जनपद की बागवानी और कृषि क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित हो रहा है। किसानों ने अपनी कड़ी मेहनत और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से उस ऊसर और कम उपजाऊ भूमि को मुनाफे के बड़े सौदे में तब्दील कर दिया है जिसे कभी कृषि के लिहाज से अनुपयोगी मान लिया गया था। यह सफलता इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि कम पानी और कम लागत में भी बेहतर प्रबंधन के जरिए कृषि को एक बेहद आकर्षक और व्यावसायिक रूप दिया जा सकता है।

संडीला की भौगोलिक स्थिति और यहां की जलवायु भी इस नई फसल के लिए वरदान साबित हुई है। यहां का गर्म और शुष्क मौसम ड्रैगन फ्रूट के पौधों के विकास के लिए पूरी तरह अनुकूल है। चूंकि इस पौधे को बहुत अधिक सिंचाई की आवश्यकता नहीं होती, इसलिए यह क्षेत्र के गिरते भूजल स्तर को सुधारने और जल संरक्षण की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित हो रहा है। वर्तमान में इन नए बागों से उत्पादित होने वाला ड्रैगन फ्रूट अपनी उच्च गुणवत्ता के कारण हरदोई की स्थानीय मंडियों में हाथों-हाथ बिक रहा है। इसके साथ ही महानगरों और राजधानी लखनऊ के बड़े आउटलेट्स व सुपरमार्केट्स में भी इसकी भारी मांग देखी जा रही है। उच्च पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण उपभोक्ताओं के बीच इसकी बढ़ती लोकप्रियता ने बाजार में इसके भाव को बेहद मजबूत बनाए रखा है जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतरीन मूल्य मिल रहा है।

ड्रैगन फ्रूट को आज के समय में सुपरफूड माना जाता है। इसमें कई पोषक तत्व, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जिसके कारण बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। यही वजह है कि किसान भी अब इसकी खेती की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। इस फसल की सबसे बड़ी खासियत यह है कि एक बार पौधे लगाने के बाद कई वर्षों तक उत्पादन मिलता रहता है। इसके अलावा ड्रैगन फ्रूट की कीमत बाजार में सामान्य फलों की तुलना में काफी अधिक होती है, जिससे किसानों को बेहतर आय प्राप्त होती है। किसानों के इस व्यक्तिगत प्रयास को धरातल पर एक बड़े आर्थिक बदलाव में बदलने का श्रेय प्रदेश सरकार की किसान-अनुकूल नीतियों और जिला प्रशासन के सक्रिय सहयोग को जाता है। जिला उद्यान विभाग के माध्यम से क्षेत्र के किसानों को एकीकृत बागवानी विकास मिशन और मुख्यमंत्री औद्यानिक विकास योजना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिला। इन योजनाओं के अंतर्गत किसानों को ड्रैगन फ्रूट की खेती के लिए बड़ा अनुदान प्रदान किया गया जिससे शुरुआती लागत का बोझ काफी कम हो गया। तकनीकी सहायता के मामले में जिला प्रशासन ने इजरायली पद्धति और टपक सिंचाई यानी ड्रिप इरिगेशन जैसी उन्नत जल संरक्षण तकनीकों को बढ़ावा दिया। इससे संसाधनों का न केवल अधिकतम और सटीक उपयोग सुनिश्चित हुआ बल्कि कम पानी में भी पौधों का बेहतर विकास संभव हो सका। ड्रैगन फ्रूट की खेती शुरू करने के लिए फरवरी से मार्च का समय सबसे उपयुक्त माना जाता है।

जरा हटके

लहचूरा बांध परियोजना...

इंजेश सिंह, अति0 जिला सूचना अधिकारी

लहचूरा बाँध परियोजना से बुंदेलखंड में बढ़ी सिंचाई क्षमता

उत्तर प्रदेश का बुंदेलखंड क्षेत्र वर्षों तक जल संकट, अल्प वर्षा और सूखे की समस्या से जूझता रहा है। यहां के किसानों की खेती मानसून पर निर्भर रहती थी, जिसके कारण कृषि उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था दोनों प्रभावित होते थे। ऐसे समय में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा महोबा जनपद में संचालित लहचूरा बांध अपर्टिनेंट कार्य परियोजना ने क्षेत्र के विकास में एक नई आशा का संचार लाया है। यह परियोजना केवल एक बांध निर्माण तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने किसानों के जीवन, कृषि उत्पादन, जल संरक्षण तथा क्षेत्रीय विकास को नई दिशा प्रदान की है।

सरकार द्वारा 1930.49 लाख रुपये की लागत के लहचूरा बांध के अपर्टिनेंट कार्यों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृत प्रदान की गयी थी। इस परियोजना के अंतर्गत महोबा जनपद की कुलपहाड़ तहसील में ग्राम रैपुरा हरदोनीफ के समीप धसान नदी पर स्थित लहचूरा बांध को आधुनिक स्वरूप प्रदान किया गया।

लहचूरा बांध बुंदेलखंड क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजना है। इस बांध से सैकड़ो किलोमीटर लंबी धसान नहर प्रणाली संचालित होती है, जिसके माध्यम से लगभग 31,910 हेक्टेयर रबी एवं 14,575 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस नहर से हजारों किसानों को वर्षभर सिंचाई का लाभ प्राप्त हो रहा है। यह परियोजना क्षेत्रीय कृषि अर्थव्यवस्था

को मजबूत करने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है।

इस परियोजना की विशेषता यह रही कि इसमें केवल मूल निर्माण कार्य ही नहीं, बल्कि अनेक आवश्यक सहायक कार्य भी कराए गए। लहचूरा बांध स्पिलवे के डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में एप्रन सुरक्षा हेतु रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया गया, जिससे जल प्रवाह के कारण होने वाले कटाव को रोका जा सके। इसके अतिरिक्त बांध के दाएं मार्जिनल बांध का निर्माण, लैण्ड स्केपिंग तथा पार्कों का विकास भी कराया गया। इन कार्यों ने बांध क्षेत्र को न केवल सुरक्षित बनाया बल्कि इसे सौंदर्यपूर्ण स्वरूप भी प्रदान किया है।

परियोजना के अंतर्गत फ्लड गेटों का कम्प्यूटरीकरण (स्काडा सिस्टम) स्थापित किया गया, जो इस योजना का अत्यंत आधुनिक एवं महत्वपूर्ण भाग है। इस तकनीक के माध्यम से जल स्तर की निगरानी और फाटकों का संचालन अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित तरीके से किया जाने लगा। इससे बाढ़ नियंत्रण, जल प्रबंधन तथा आपदा नियंत्रण में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान समय में लहचूरा बांध में जलस्तर बढ़ने पर फाटकों का नियंत्रित संचालन इसी आधुनिक प्रणाली के माध्यम से किया जाता है, जिससे निचले क्षेत्रों में जलभराव और संभावित खतरे को कम किया जा सके।

यह परियोजना मार्च 2018 तक पूर्ण कर ली गई थी। निर्धारित समय में परियोजना का कार्य पूरा होना विभागीय दक्षता और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। परियोजना के पूर्ण होने के बाद महोबा के साथ-साथ हमीरपुर एवं बांदा जनपद के अनेक गांवों को भी प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ। इस परियोजना से अर्जुन फीडर नहर उद्गमित होती है, जिसके माध्यम से अर्जुन बांध, चंद्रावल बांध एवं कबरई बांधों को भी जल उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रकार लहचूरा बांध पूरे क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था का प्रमुख केंद्र बन गया है।

बुंदेलखंड जैसे अर्धशुष्क क्षेत्र में जल संरक्षण और सिंचाई की उपलब्धता किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाती है। पहले जहां किसान वर्षा आधारित खेती पर निर्भर थे, वहीं अब सिंचाई सुविधा मिलने से बहुफसली खेती को बढ़ावा मिला है। गेहूं, चना, सरसों, तिलहन एवं दलहन जैसी फसलों का उत्पादन बढ़ा है। किसानों की आय में वृद्धि हुई है तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। परियोजना ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन एवं ग्रामीण रोजगार को भी बढ़ावा दिया है।

लहचूरा बांध परियोजना का महत्व केवल सिंचाई तक सीमित नहीं है। यह परियोजना जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन, पशु-पक्षियों, वन्य जीवों के संरक्षण तथा क्षेत्रीय विकास का भी महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। बांध में जल उपलब्ध रहने से भूजल स्तर में सुधार हुआ है। आसपास के क्षेत्रों में हरित क्षेत्र बढ़ा है तथा जल संकट की समस्या में कमी आई है। परियोजना के अंतर्गत विकसित पार्क एवं लेण्ड स्केपिंग ने इसे स्थानीय पर्यटन एवं आकर्षण का केंद्र भी बना दिया है।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास हेतु अर्जुन सहायक परियोजना जैसे बड़े कार्यक्रमों से भी इस बांध को जोड़ा गया है। यह परियोजना भविष्य में लाखों किसानों और ग्रामीणों को सिंचाई एवं पेयजल सुविधा प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज लहचूरा बांध परियोजना बुंदेलखंड में जल प्रबंधन और सिंचाई विकास का सफल मॉडल बन चुकी है। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया यह कार्य निश्चित रूप से किसानों के जीवन में खुशहाली लाने वाला एवं प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है।

स्वच्छता से सुरक्षित जलवायु तक: ग्राम पंचायतों में जनआंदोलन बना 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान

प्रदेशभर में गूंजेगा 'स्वच्छ गांव सुरक्षित जलवायु' का संकल्प

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर 01 से 05 जून तक प्रदेशभर में 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' (SGSJ) अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय आधारित स्वच्छता को बढ़ावा देना, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन को सुदृढ़ करना, प्लास्टिक कचरे के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता

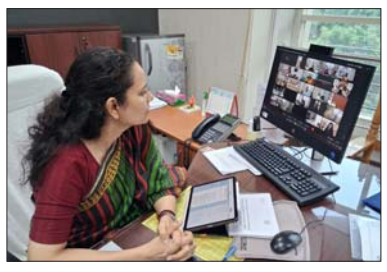

विकसित करना है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायतों, स्थानीय समुदायों, स्वयं सहायता समूहों, युवाओं एवं विभिन्न हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसके माध्यम से स्वच्छता, सतत अपशिष्ट प्रबंधन, जल संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग में कमी तथा जलवायु अनुकूल व्यवहार को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अभियान के प्रथम दिवस 01 जून को जनपदों में जिलाधिकारी महोदय, सीडीओ महोदय, डीडी पंचायतीराज एंवम डीपीआरओं की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पचास हजार से अधिक ग्राम पंचायतों में कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जिसमें 2 लाख,13 हजार 183 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में एसडब्ल्यूएम नियम-2026, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा ग्रामीण स्थानीय निकायों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

02 जून को 24 हजार 815 ग्राम पंचायतों से 1 लाख 35 हजार 761 पंचायत प्रतिनिधि एंवम ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायतों में स्थापित सामुदायिक ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन परिसंपत्तियों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किया गया।

विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा

अभियान के अंतिम दिवस 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ष्एक पेड़ मां के नामष् अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा तथा ग्राम सभाओं में ष्स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायुष् अभियान के उद्देश्यों एवं उपलब्धियों पर चर्चा होगी।

- विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रदेशभर में गूंजेगा 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' का संकल्प
- ग्रामीण भारत के हरित भविष्य की ओर बड़ा कदम: एसबीएम-जी का रॅरख अभियान
- स्वच्छता, पर्यावरण और जनभागीदारी का संगम बना 'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान

-पंचायतीराज मंत्री ओ0पी0 राजभर

सतत विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित

मा. मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर जी ने कहा-'स्वच्छ गांव, सुरक्षित जलवायु' अभियान केवल स्वच्छता का कार्यक्रम नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी का एक जनआंदोलन है। ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका से हम स्वच्छ, हरित और सतत ग्रामीण विकास के लक्ष्य को साकार कर रहे हैं।

वही इस अभियान को लेकर मिशन निदेशक (स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण यूपी) श्रीमती गुंजन द्विवेदी ने कहा कि यह अभियान ग्रामीण समुदायों को स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है। जनसहभागिता से गांवों में स्वच्छता और सतत विकास की दिशा में सकारात्मक परिवर्तन सुनिश्चित हो रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस और अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि इन्हें पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता के प्रभावी मंच के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग द्वारा सभी जनपदों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि विश्व पर्यावरण दिवस पर अमृत सरोवरों के आसपास वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण एवं जैव विविधता संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- अमृत सरोवरों से पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश गांव-गांव तक पहुंचे

- केशव प्रसाद मौर्य

किए जाएं। साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अमृत सरोवर स्थलों पर योग सत्र आयोजित कर स्थानीय समुदाय, स्कूली छात्र-छात्राओं, स्वयं सहायता समूहों, आजीविका मिशन की महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए।

फास्ट न्यूज

लखनऊ के कल्ली पश्चिम में बूंदाबांदी

लखनऊ। लखनऊ के कल्ली पश्चिम में आज, गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम बदल गया। आसमान में काले बादल छा गए। करीब 20 मिनट तक बूंदाबांदी हुई। उसके बाद धूप निकल आई। हालांकि, अन्य इलाकों में धूप के बीच बादलों की आवाजाही बनी रही।

मौसम विभाग का अनुमान है कि आज तापमान 41C तक पहुंच सकता है। अगले 4 दिन में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाएगा।

लड़कियों को दूसरे राज्यों में बेचने वाले गिरोह का खुलासा

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज पुलिस ने नाबालिग लड़कियों को शादी के नाम पर राजस्थान में बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। गिरोह की सरगना युवती समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि गिरोह की सरगना युवती अपने लिव-इन पार्टनर के साथ आर्थिक रूप से कमजोर और असहाय लड़कियों को निशाना बनाती थी। उन्हें बहला-फुसलाकर राजस्थान भेजती थी। जहां उनकी पैसों के बदले शादी कराई जाती थी।

लखनऊ में महिला की मौत

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में 21 साल की महिला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। वह अपने पति के साथ रहती थी। अचानक तबीयत बिगड़ने पर पति ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। भाई ने पति पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। शामली हेड़ीकर्म निवासी खुशी (21) पति सावेज के साथ गऊघाट ठाकुरगंज में किराए के मकान में रहती थी। पति शावेज साइकिल सर्कस में काम करता है।

प्रवक्ता भर्ती के साक्षात्कार 15 जून से होंगे प्रारंभ

आयोग ने जारी किया विस्तृत कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

- 18 विषयों के 624 पदों के लिए चयन प्रक्रिया का अगला चरण शुरू, 5 जून से डाउनलोड होंगे साक्षात्कार पत्र

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 624 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। साक्षात्कार 15 जून 2026 से प्रारंभ होकर 27 जून 2026 तक विषयवार आयोजित किए जाएंगे।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रवक्ता पद की लिखित परीक्षा 09 एवं 10 मई 2026 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 02 जून 2026 को घोषित किया गया। लिखित परीक्षा में औपबंधिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा।

15 जून को वाणिज्य, कला, मनोविज्ञान, कृषि एवं गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। 16 जून को भौतिक विज्ञान एवं इतिहास, 17 जून को रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र, 18 जून को नागरिक शास्त्र एवं गणित तथा 19 जून को जीव विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसी प्रकार 20 जून को संस्कृत, 22 जून को भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र, 23 जून को अर्थशास्त्र, 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को अंग्रेजी एवं हिन्दी तथा 27 जून को हिन्दी विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा।

योगी सरकार का सुशासन मॉडल

देश के लिए रोल मॉडल बना यूपी का पंचायती राज विभाग, 3 अभिनव पहलें राष्ट्रीय संकलन में शामिल

- यूपी पंचायती राज विभाग ने रचा नया इतिहास, वित्तीय पारदर्शिता और तकनीक में पूरे देश का नेतृत्व कर रहा उत्तर प्रदेश
- एआई तकनीक और डिजिटल गवर्नेंस से संवरा पंचायतों का भविष्य, पंचायती राज विभाग यूपी की तीन महा-योजनाओं को राष्ट्रीय सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गौरवशाली इतिहास में आज एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन और माननीय पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर जी के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पंचायती राज विभाग ग्रामीण सुशासन और डिजिटल क्रांति की नई परिभाषा लिख रहा है। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ पहलों पर जारी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकलन 'नेशनल कंपेंडियम' में उत्तर प्रदेश की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिनव पहलों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। केंद्र सरकार द्वारा इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर

भारत सरकार के नेशनल कंपेंडियम में उत्तर प्रदेश की तीन पहलों को जगह मिलना हमारे समस्त अधिकारियों एंवम कर्मचारियों की दिन-रात की मेहनत की स्वीकृति है।

पर सराहा जाना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश जमीनी स्तर पर तकनीकी बदलाव, ग्रामीण सुरक्षा और राजकोषीय हस्तांतरण में पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों को उत्तर प्रदेश सरकार ने अत्याधुनिक तकनीक के दम पर देश का रोल मॉडल बना दिया है। पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण सचिवालयों को सीधे शासन की मुख्यधारा से जोड़कर न केवल बिचौलियों की भूमिका को समाप्त किया है, बल्कि अंतिम पायदान पर बैठे ग्रामीण के लिए सरकारी सेवाओं को उनके दरवाजे पर सुलभ कर दिया है।

'डिजिटल पंचायत - सशक्त पंचायत: यूपी पंचायती राज विभाग के सुशासन मॉडल को केंद्र सरकार ने सराहा, देश के लिए बना नजीर

ये हम सब के लिए अत्यंत गौरव का क्षण

इस ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर पंचायती राज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि- ये हम सब के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप हम 'डिजिटल पंचायत - सशक्त पंचायत' के विजन को धरातल पर उतार रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा हमारी तीन योजनाओं को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्वीकार करना यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश देश में सुशासन की नई परिभाषा लिख रहा है। पंचायती राज विभाग के निदेशक श्री अमित कुमार सिंह ने कहा कि- हम 'विकसित पंचायत से विकसित भारत' के संकल्प को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक पुनर्जागरण के नए आयाम स्थापित किए : योगेन्द्र उपाध्याय

सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूरे होने पर होंगे विशेष कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

- मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर प्रभार जनपद कानपुर में किया मीडिया संवाद
- मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के उत्कर्ष, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के स्वर्णिम वर्ष

- योगेन्द्र उपाध्याय

कानपुर / लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री एवं कानपुर के प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने गुरुवार को कानपुर में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के "सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण" को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। इस अवसर पर आयोजित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों एवं रूपरेखा की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष भारत के उत्कर्ष, आत्मविश्वास और वैश्विक प्रतिष्ठा के वर्ष रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों पर लंबे समय तक सफल नेतृत्व प्रदान कर जनसेवा का एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके नेतृत्व में भारत ने विश्व मंच पर अपनी अलग पहचान बनाई है। जो भारत कभी विकासशील देशों की श्रेणी में पीछे माना जाता था, वह आज आर्थिक दृष्टि से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यह देश के बढ़ते सामर्थ्य और वैश्विक प्रभाव का प्रमाण है। मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से भारत ने तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत विश्व के अग्रणी देशों में शामिल हो चुका है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), नवाचार और सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है ।

फर्जी मुद्रा और आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर भी प्रभावी अंकुश

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि आर्थिक क्षेत्र में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का सफल क्रियान्वयन और नोटबंदी जैसे महत्वपूर्ण निर्णयों ने देश की अर्थव्यवस्था को संगठित एवं पारदर्शी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही फर्जी मुद्रा और आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों पर भी प्रभावी अंकुश लगा। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश के आधारभूत ढांचे के विकास में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। नए एक्सप्रेसवे, राष्ट्रीय राजमार्ग, फ्लाईओवर, हवाई अड्डे और रेलवे अवसंरचना के विस्तार ने भारत को आधुनिक विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाया है।

भारत की सुरक्षा नीति को नई मजबूती

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में देशहित में अनेक ऐसे साहसिक और ऐतिहासिक निर्णय लिए गए, जिनकी कभी कल्पना भी नहीं की जाती थी। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 का हटाया जाना, आतंकवाद के विरुद्ध सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक तथा ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों ने भारत की सुरक्षा नीति को नई मजबूती प्रदान की है। इन निर्णयों ने यह संदेश दिया कि भारत अपनी संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और पौराणिक चेतना का पुनर्जागरण हुआ है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर का निर्माण, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ धाम का पुनर्विकास, सोमनाथ सहित अनेक प्रमुख तीर्थ स्थलों का सौंदर्यीकरण देश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान देने वाला कार्य है। इन परियोजनाओं से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला है ।

दो दिनों में 4.34 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए परीक्षा में शामिल

तमसा संकेत, संवाददाता

- टीजीटी परीक्षा का दूसरा दिन भी शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी वातावरण में सम्पन्न : डॉ. प्रशांत कुमार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 01/2022 के अंतर्गत प्रशिक्षित स्नातक (टीजीटी) संवर्ग के 15 विषयों की लिखित परीक्षा का दूसरा दिन गुरुवार को प्रदेशभर में शांतिपूर्ण, पारदर्शी, नकलविहीन एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हुआ। परीक्षा के दौरान आयोग के मुख्यालय में स्थापित एआई इंटीग्रेटेड कंट्रोल कमांड रूम से सभी परीक्षा केन्द्रों की सतत निगरानी की गई। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रथम पाली में प्रदेश के 504 परीक्षा केन्द्रों पर अंग्रेजी, गृह विज्ञान, जीव विज्ञान एवं संगीत वादन विषयों की परीक्षा आयोजित की गई, जबकि द्वितीय पाली में 471 परीक्षा केन्द्रों पर संस्कृत, वाणिज्य एवं कला विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। परीक्षा प्रदेश के 36 जनपदों में निर्धारित केन्द्रों पर आयोजित की गई। आयोग के सदस्यगण, सचिव, परीक्षा नियंत्रक एवं वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एआई आधारित कैमरों और अत्याधुनिक निगरानी तंत्र के माध्यम से सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों की गतिविधियों पर निरंतर नजर रखी गई। सघन निगरानी एवं सत्यापन के दौरान वाराणसी जनपद में एक फर्जी परीक्षार्थी दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते हुए पकड़ा गया। उसे तत्काल स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया तथा उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तबादले : स्तुति संभल सीओ बनीं, सूर्या के इलाके के एसीपी हटे, प्रियंका कानपुर भेजी गईं

206 पुलिस अफसरों के ट्रांसफर

तमसा संकेत, संवाददाता

- बकरीद के दिन गाजियाबाद में हुए चर्चित सूर्या हत्याकांड के बाद इंदिरापुरम सर्किल के एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव का तबादला रामपुर कर दिया गया है। अभिषेक श्रीवास्तव गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। सूर्या हत्याकांड की जांच और कार्रवाई के दौरान उनका नाम भी चर्चा में रहा।

लखनऊ । योगी सरकार ने गुरुवार को 206 प्रांतीय पुलिस सेवा (PPS) अफसरों के तबादले किए हैं। इनमें 20 महिला पुलिस अफसर हैं। ट्रांसफर की लिस्ट में बड़ी संख्या में वे अधिकारी हैं, जो लंबे समय से एक ही जगह पर तैनात थे। इंस्पेक्टर से क्षेत्राधिकारी (CO) बने अफसरों के भी तबादले हुए हैं।

सीएम सुरक्षा में तैनात पुलिस उपाधीक्षक जितेन्द्र कुमार-II को शाहजहांपुर भेजा गया है। लखनऊ के सहायक पुलिस आयुक्त विकास कुमार जायसवाल को मुख्यमंत्री सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गौतमबुद्धनगर से लखीमपुर खीरी ट्रांसफर किए गए एसीपी अरविन्द कुमार-II का तबादला निरस्त कर दिया गया। यानी वे वहीं बने रहेंगे।

कन्नौज की DSP प्रियंका बाजपेई को कानपुर भेजा गया है। उन्हें सहायक पुलिस आयुक्त बनाया गया है। बिजनौर के DSP सोम प्रकाश वर्मा को मऊ भेजा गया है। आगरा की सहायक पुलिस आयुक्त सुकन्या शर्मा को बागपत का DSP बनाया है। हापुड़ DSP स्तुति सिंह को संभल CO बनाया है। लखनऊ एसीपी सतीश कुमार राय को हटाकर मेरठ पीएसी भेजा गया है।

मेरठ की डीएसपी शुचिता सिंह का तबादला

मेरठ में परशुराम जयंती के जुलूस के दौरान फरसा और डंडा लहराने वालों को सख्त चेतावनी देकर चर्चा में आईं डिप्टी एसपी शुचिता सिंह का तबादला गाजियाबाद कमिश्नरेट में सहायक पुलिस आयुक्त के पद पर कर दिया गया है।

परशुराम जयंती पर मेरठ में निकली शौर्य यात्रा के दौरान कई युवक हाथों में फरसा और डंडे लिए हुए थे। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहीं शुचिता सिंह ने माइक से ऐलान करते हुए कहा था कि फरसा और डंडा लहराने वालों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हुआ था। वह मूल रूप से प्रतापगढ़ की रहने वाली शुचिता को प्रशिक्षण के दौरान सर्वश्रेष्ठ कैडेट का पुरस्कार भी मिल चुका है।

43 हजार से ज्यादा हैं इंस्टाग्राम फॉलोअर्स वाली प्रियंका बाजपेयी

कन्नौज में तैनात पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) डॉ. प्रियंका बाजपेयी का तबादला कानपुर कर दिया गया है। साल 2017 में उन्होंने पीसीएस परीक्षा में 6वीं रैंक हासिल कर टॉप-10 में जगह बनाई थी, जिसके बाद उनका चयन पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) पद पर हुआ।

डॉ. प्रियंका बाजपेयी सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर 43 हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने पेशेवर जीवन और कार्यों से जुड़ी जानकारियां शेयर करती हैं। उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट्स अक्सर चर्चा का विषय बनी रहती हैं।

प्रवक्ता भर्ती के साक्षात्कार 15 जून से होंगे प्रारंभ विस्तृत कार्यक्रम जारी

18 विषयों के 624 पदों के लिए चयन प्रक्रिया का अगला चरण शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

- आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने सभी पात्र अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

लखनऊ । उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या 02/2022 के अंतर्गत प्रवक्ता संवर्ग के 624 पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के साक्षात्कार कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। साक्षात्कार 15 जून 2026 से प्रारंभ होकर 27 जून 2026 तक विषयवार आयोजित किए जाएंगे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रवक्ता पद की लिखित परीक्षा 09 एवं 10 मई 2026 को आयोजित की गई थी, जिसका परिणाम 02 जून 2026 को घोषित किया गया। लिखित परीक्षा में औपबंधिक रूप से सफल घोषित अभ्यर्थियों को अब साक्षात्कार प्रक्रिया में सम्मिलित होना होगा।

15 जून को वाणिज्य, कला, मनोविज्ञान, कृषि एवं गृह विज्ञान विषयों के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। 16 जून को भौतिक विज्ञान एवं इतिहास, 17 जून को रसायन विज्ञान एवं समाजशास्त्र, 18 जून को नागरिक शास्त्र एवं गणित तथा 19 जून को जीव विज्ञान विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होगा। इसी प्रकार 20 जून को संस्कृत, 22 जून को भूगोल एवं शिक्षा शास्त्र, 23 जून को अर्थशास्त्र, 24 जून को अंग्रेजी, 25 जून को अंग्रेजी एवं हिन्दी तथा 27 जून को हिन्दी विषय के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थी अपना साक्षात्कार पत्र 05 जून 2026 से आयोग की आधिकारिक वेबसाइट www.upessc.up.gov.in से डाउनलोड कर सकेंगे।

दरोगा का खिड़की से लटका शव मिला

जांच

घुटने के बल बैठी पोजिशन में था, एसपी बोलीं- सुसाइड की आशंका

तमसा संकेत, एजेंसी

बदायूं। बदायूं में दरोगा का शव कमरे में दरवाजे के ऊपर बनी खिड़की से फंदे के सहारे लटका मिला। शव घुटने के बल बैठी पोजिशन में था। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। हालांकि, एसपी अंकिता शर्मा ने सुसाइड की आशंका जताई है।

एसपी ने बताया- दरोगा मेघश्याम गौतम (55) कोर्ट सुरक्षा में तैनात थे। वो मूलरूप से मथुरा के गोविंदनगर थाना के सकना गांव के रहने वाले थे। मोबाइल फोन जब्त करके कॉल डिटेल निकलवाई जा रही है। फॉरेंसिक टीम ने भी जांच की है। परिजनों से पूछताछ और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। घटना नगर कोतवाली क्षेत्र के मधुबन कॉलोनी की है।

मकान मालिक विकेश ने बताया कि उनका दो मंजिला मकान है। दरोगा मेघश्याम गौतम पिछले एक साल से फर्स्ट फ्लोर पर लगभग 12 फिट चौड़ा और 15 फिट लम्बे कमरे में रह रहे थे। उसी फ्लोर पर दो अन्य परिवार भी रहते हैं। घटना के समय मैं गांव गया हुआ था। गुरुवार सुबह करीब 9 बजे मेघश्याम की बेटी का फोन आया। उसने बताया कि काफी देर से फोन लगाने पर भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। मैंने यह बात फोन पर पत्नी को बताई। पत्नी ने दरोगा के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला।

मेघश्याम गौतम, मृतक दरोगा

> एसपी अंकिता शर्मा ने बताया-सुबह 9:45 बजे सूचना मिली कि दरोगा मेघश्याम ने सुसाइड कर लिया है। टीम उनके घर पहुंची तो उनका शव कमरे में साढ़े छह फीट के दरवाजे के ठीक ऊपर बनी खिड़की (रोशनदान) की ग्रिल से गमछे के फंदे के सहारे लटका मिला। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। हालांकि, कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

पुलिस ने मकान मालिक विकेश और उनके परिवार से पूछताछ की।

1986 में सिपाही पद पर हुए थे भर्ती

सहकर्मियों ने बताया- मेघश्याम बुधवार शाम को ड्यूटी से 6 बजे अपने घर चले गए थे। उनका व्यवहार सामान्य ही था। किसी तरह की परेशानी का जिक्र नहीं किया था। सब से हंसी-मजाक से पेश आते थे। वे 1986 में सिपाही पद पर पुलिस सेवा में भर्ती हुए थे। इसके बाद दरोगा पद पर प्रमोट हो गए। 2024 में बरेली से ट्रांसफर होकर बदायूं आए थे। दरोगा मेघश्याम के परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटे ब्रजनंदन और मयंक हैं। एक बेटी राधिका भी है। बड़े बेटे ब्रजनंदन की शादी हो चुकी है और वह प्राइवेट जॉब करता है। राधिका तीनों बच्चों में बीच की है और बीएड कर चुकी है। सबसे छोटा बेटा मयंक इंटरमीडियट की पढ़ाई कर रहा है।

इसके बाद मैं गांव से घर आया और पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो अंदर मेघश्याम का शव फंदे से लटका हुआ मिला। विकेश ने बताया- मेघश्याम के कमरे का एक गेट छत की ओर बाहर की तरफ खुलता है। पर दोनों गेट अंदर से बंद थे। जिस दरवाजे के रोशनदान से शव लटका मिला, वह भी अंदर से बंद था।

संभल दंगे : मारे गए शख्स के परिवार को जमीन दी

1978 में हत्या करके कुएं में लाश फेंक दी थी

तमसा संकेत, संवाददाता

संभल। संभल के 1978 के दंगा पीड़ित परिवारों को खाली कराई गई कब्रिस्तान की 3 बीघा जमीन पर बसाया जा रहा है। गुरुवार को दंगा पीड़ित रामशरण रस्तोगी के परिवार को 100 वर्ग मीटर जमीन का पट्टा दिया गया।

मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा- संभल में 48 साल पहले जिनके आशियाने जलाए गए, आज उनके आंसू पोंछने आया हूं। न जाने कितनी पीढ़ियां इंतजार करते-करते गुज़र गईं। भारत 1947 में आजाद हुआ था। लेकिन सही मायने में संभल आज के दिन आज़ाद हुआ है।

मुरादाबाद मंडल कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने कहा कि दंगा पीड़ितों को बसाने की प्रक्रिया आज से शुरू हुई है। जितने भी लोग पलायन कर गए थे, उन सभी से हम रिक्वेस्ट कर रहे हैं कि वो अपने प्रमाणों के साथ जिला प्रशासन से संपर्क करें। हम सभी को जमीन देंगे। इसके पहले प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने रामशरण रस्तोगी की बहू रुक्मिनी को पट्टे की जमीन का प्रमाण-पत्र दिया। मंत्री ने रुक्मिनी और उनके बेटे कपिल के साथ जमीन का भूमि-पूजन भी किया।कब्रिस्तान से खाली कराई गई जमीन कोतवाली क्षेत्र के शेर खां सराय गांव में टीले वाली मस्जिद के पास है। 7 अप्रैल को मथुरा में सीएम योगी ने कहा था कि संभल में 1978 में हुए दंगों में सैकड़ों हिंदुओं को मारा गया। डर के मारे लोग दिल्ली समेत अन्य शहरों में पलायन कर गए।

फास्ट न्यूज

डाकघर के एक्सईएन को सीबीआई ने घूस लेते पकड़ा

प्रयागराज । प्रयागराज के प्रधान डाकघर में गुरुवार को सीबीआई ने रेड डाली। सीबीआई ने एक्सईएन आशीष अग्रवाल को डेढ़ लाख रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद सीबीआई अफसरों ने एक्सईएन से लंबी पूछताछ की। विभाग के आला अफसरों से भी पूछताछ की गई। कई अधिकारियों से हस्ताक्षर कराने के बाद सीबीआई एक्सईएन आशीष अग्रवाल को अपने साथ ले गई।

ससुराल जाने से इनकार पर नवविवाहिता से मारपीट का आरोप

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर थाना क्षेत्र के भैरमपुर गांव में एक नवविवाहिता द्वारा अपने पति पर मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, भैरमपुर निवासी सहारत की पुत्री आसिया बानो की शादी करीब दो माह पूर्व सीतापुर जनपद के महमूदाबाद थाना क्षेत्र स्थित मीरानगर निवासी मो. सलीम के साथ हुई थी। विवाह के बाद कुछ समय तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन मंगलवार को पति मो. सलीम अपनी पत्नी को ससुराल ले जाने के लिए भैरमपुर पहुंचा था।

बिना कारण गिरफ्तारी पर हाईकोर्ट सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में पुलिस स्टेशन में गिरफ्तारी के कारणों की जानकारी न देना और खुलासा ज्ञापन तैयार न करना ₹नियमित प्रथा₹ बन गई है। इन उल्लंघनों को ध्यान में रखते हुए, न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने हत्या के आरोपी (संदीप बैसोया) को जमानत दे दी, जो 13 जनवरी से जेल में है।

पर्यावरण रक्षा का लक्ष्य बनाना 'एक पत्रकार एक पेड़' तहत वृक्षारोपण

तमसा संकेत, संवाददाता

> पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक वृक्षों का रोपण करना समय की मांग: बी त्रिपाठी

बाराबंकी । एक पत्रकार एक पेड़' धरती को अगर है बचाना , पर्यावरण रक्षा का लक्ष्य बनाना से पर्यावरण को संरक्षित करने में अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन करें । अवश्य ! पर्यावरण को बचाना है तो अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना समय की मांग है । यह बात विश्व पर्यावरण दिवस पर जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि) के द्वारा श्री बाबा टीकाराम धाम हैदरगढ़ में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम होगा , उपरोक्त जानकारी जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि) के मण्डल अध्यक्ष बी.त्रिपाठी एड0 नें जानकारी साझा की , कि विश्व पर्यावरण दिवस पर जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के दिशा निर्देशानुसार वर्ष /प्रतिवर्ष चलाई जा रही मुहिम के तहत 'एक पत्रकार एक पेड़' का हिस्सा बनकर पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना योगदान करें । क्योंकि वृक्ष धारा के आभूषण है इनके अभाव में मानव जीवन के मूल्यो की कल्पना नहीं की जा सकती है क्योंकि पेड़ों से ही हमें प्राण दायिनी ऑक्सीजन के साथ ही साथ अनेकों लाभ प्राप्त होते हैं ।

ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में रचा इतिहास, कई श्रेणियों में प्रथम स्थान

'सौर ऊर्जा क्रांति का अग्रदूत बना यूपी'

- पीएम सूर्य घर पुरस्कार समारोह में उत्तर प्रदेश का राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन
- राष्ट्रीय मंच पर मिली बड़ी पहचान
- स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आने वाले समय में हम और नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे: ए के शर्मा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । नई दिल्ली में आयोजित पीएम सूर्य घर पुरस्कार समारोह में उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर देशभर में अपना परचम लहराया। राज्य को विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त हुए, जिससे स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उसकी अग्रणी भूमिका और मजबूत हुई है।

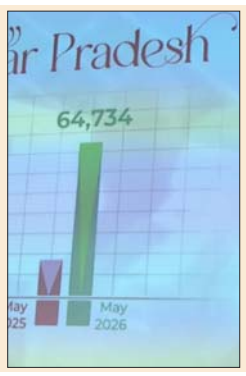

पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत देशभर में हुए सोलर इंस्टॉलेशन के आधार पर उत्तर प्रदेश ने "टॉप थ्री स्टेट इंस्टॉलेशन" श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस श्रेणी में गुजरात प्रथम स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि राज्य में सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ती जागरूकता एवं प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है।

राज्यवार वेरी हाई कंज्यूमर बेसड श्रेणी में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही सर्वाधिक उपभोक्ता आवेदन, सर्वाधिक सोलर इंस्टॉलेशन तथा अधिकतम वेंडर रजिस्ट्रेशन जैसी महत्वपूर्ण श्रेणियों में भी उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने इन उपलब्धियों का श्रेय मा. प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने दोनों नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री शर्मा ने उत्तर प्रदेश, नोएडा तथा राज्य के सभी अधिकारियों, वेंडरों एवं लाभार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। सौर ऊर्जा न केवल प्रदूषण मुक्त बिजली उपलब्ध कराती है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

लखनऊ बना देश का नंबर-1 सोलर जिला

जिला स्तर पर सोलर इंस्टॉलेशन के मामले में लखनऊ ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लखनऊ में कुल 1,02,596 सोलर इंस्टॉलेशन किए गए, जबकि दूसरे स्थान पर रहे नागपुर में 89,255 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के तेजी से विस्तार को दर्शाती है।

आक्रोशित महिलाओं ने कुतलूपुर स्थित टेक होम राशन (टीएचआर) प्लांट पर ताला जड़कर प्रदर्शन किया

बीएमएम के तबादले पर भड़कीं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। विकास खंड सूरतगंज में ब्लॉक मिशन प्रबंधक (बीएमएम) के स्थानांतरण को लेकर स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं में भारी नाराजगी देखने को मिली। आक्रोशित महिलाओं ने कुतलूपुर स्थित टेक होम राशन (टीएचआर) प्लांट पर ताला जड़कर प्रदर्शन किया और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओं ने चेतावनी दी कि जब तक पूर्व बीएमएम की वापसी नहीं होती, तब तक प्लांट का संचालन बंद रखा जाएगा। लालपुर करौता क्लस्टर से जुड़ी समूह की महिलाओं का आरोप है कि सूरतगंज में तैनात दिव्यांग ब्लॉक मिशन प्रबंधक रमाकांत दीक्षित का बिना किसी स्पष्ट कारण के स्थानांतरण पूरेडलाई ब्लॉक कर दिया गया। वहीं उनकी जगह दूसरे ब्लॉक से आए मोनू श्रीवास्तव को टीएचआर प्लांट की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इस फैसले से समूह की महिलाएं खुद को उपेक्षित महसूस कर रही हैं। प्रदर्शन में शामिल पूनम, राजकुमारी, नीलम देवी, मीरा, गीता, आरती, कलावती और संगीता समेत अन्य महिलाओं ने कहा कि रमाकांत दीक्षित के कार्यकाल में समूहों को बेहतर मार्गदर्शन और सहयोग मिला था। उनका आरोप है कि जिन अधिकारी को नई जिम्मेदारी दी गई है, उनके खिलाफ पहले से कई शिकायतें और विवाद जुड़े रहे हैं, फिर भी प्रशासन उनकी तैनाती को प्राथमिकता दे रहा है। महिलाओं ने ब्लॉक प्रशासन पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि निर्णय लेने में पारदर्शिता नहीं बरती गई। उनका कहना है कि समूहों से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में उनकी राय तक नहीं ली गई। इसी के विरोध में उन्होंने टीएचआर प्लांट का कामकाज ठप कर दिया। प्रदर्शन की सूचना मिलने पर खंड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने फोन के माध्यम से महिलाओं से वार्ता कर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया, लेकिन महिलाएं अपने निर्णय पर अडिग रहीं। उन्होंने साफ कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। टीएचआर प्लांट पर ताला लगने से समूह आधारित पोषण आहार उत्पादन और वितरण व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में अब प्रशासन के सामने आंदोलनकारी महिलाओं को मनाने और व्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती खड़ी हो गई है।

सीएलएफ की जिम्मेदारी को लेकर भी नाराजगी

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने आरोप लगाया कि क्लस्टर लेवल फेडरेशन (सीएलएफ) की जिम्मेदारी भी मोनू श्रीवास्तव को सौंपे जाने की तैयारी की जा रही है, जो नियमों के विपरीत है। महिलाओं का कहना है कि यदि ऐसा किया गया तो वे सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार करेंगी। उनका सुझाव है कि सीएलएफ का कार्य पूर्व में नियुक्त ब्लॉक मिशन प्रबंधक धर्मेंद्र कुमार को सौंपा जाए।

> खंड विकास अधिकारी देवेंद्र प्रताप सिंह ने महिलाओं द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि रमाकांत दीक्षित का स्थानांतरण जिलाधिकारी के आदेश पर किया गया है। उन्होंने बताया कि महिलाओं को समझाने का प्रयास किया जा रहा है और प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

'पत्नी-दो बेटियों के हत्यारे को मरने तक लटकाए रखो'

महिला जज ने फांसी की सजा सुनाई

तमसा संकेत, एजेंसी

महोबा । महोबा की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने पत्नी और दो बेटियों के हत्यारे पिता को फांसी की सजा सुनाई है। जज अपर्णा त्रिपाठी ने सजा सुनाते हुए कहा- हत्यारे का अपराध बहुत कठोर है। इसे फांसी के फंदे पर तब तक लटकाया जाए, जब तक इसकी मौत न हो जाए। महिला जज ने दोषी पिता पर 50 हजार का जुर्माना भी लगाया।

हत्या का ये मामला जुलाई, 2023 का है। महोबा शहर कोतवाली क्षेत्र के समदनगर मोहल्ले में रहने वाले देवेंद्र विश्वकर्मा को शराब की लत थी। शराब पीने की वजह से उसका घर में अपनी पत्नी से बहुत झगड़ा होता था। देवेंद्र अपनी दोनों बेटियों को भी बुरा-भला कहता रहता था।

देवेंद्र 17 जुलाई, 2023 को शराब पीकर घर आया। किसी बात पर उसका अपनी पत्नी राजकुमारी से झगड़ा होने लगा। दोनों बेटियां अंदर कमरे में सो रही थीं। झगड़ा बढ़ने पर देवेंद्र ने घर में रखे सिलबट्टे से पत्नी पर हमला कर दिया। उसके बाद सोते समय दोनों बेटियों (9 साल की बेटी आरुषि और 6 साल की सोनाक्षी) पर भी सिलबट्टे से कूच डाला। देवेंद्र ने तीनों के सिर पर सिलबट्टे से मार मारकर उनके सिर की हड्डियां तोड़ दीं। इसके बाद घर से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने पुलिस को मामले की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया।

पृष्ठ 01 का शेष...

केरलम पहुंचा ...

इधर, मध्य प्रदेश के कई जिलों में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। इस दौरान 70kmph की रफ्तार से आंधी चली। दिल्ली-NCR में गुरुवार दोपहर को अंधेरा छा गया और तेज बारिश हुई। फिल्म सिटी में आंधी के बाद कई पेड़ टूटकर कारों पर गिर गए। सड़कों पर पानी भर गया जिससे ट्रैफिक जाम लग गया। क्यूम्युलोनिम्बस क्लाउड्स यहां 50 से 70kmph की रफ्तार से आंधी-बारिश करवा सकते हैं। क्यूम्युलोनिम्बस क्लाउड या CB क्लाउड (बादल) मौसम के पावरहाउस माने जाते हैं। तेज आंधी, बिजली और गरज वाले तूफान इन्हीं बादलों के कारण बनते हैं।

देश के कई राज्यों में अभी भी गर्मी कम नहीं हुई है। गुजरात, पश्चिमी राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, तमिलनाडु में तापमान 40C से ऊपर बना हुआ है।

अगले दो दिन के मौसम का हाल

5 जून:

राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश में आंधी-तूफान की आशंका के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

शनिवार तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरलम, कर्नाटक, लक्षद्वीप, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में तेज बारिश होने का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, मध्य महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने का भी अनुमान लगाया है।

6 जून:

पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कई हिस्सों में 40-50kmph की रफ्तार से हवा चल सकती है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के कुछ क्षेत्रों में बारिश और आंधी की स्थिति रह सकती है।

केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में बारिश का अनुमान है। तटीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं तेज बारिश भी हो सकती है।

कुछ पद सिर्फ कम ...

ऐसे में सरकार का कुछ पदों को कम पढ़े-लिखे लोगों के लिए सुरक्षित रखना पूरी तरह सही है।

कोर्ट ने 2025 के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक रोजगार सभी योग्य उम्मीदवारों को तय नियमों के तहत ही मिलना चाहिए। सिर्फ इसलिए कि कोई उम्मीदवार तय सीमा से अधिक पढ़ा-लिखा है, उसे उस कम योग्यता वाले पद पर नियुक्ति का कोई स्वतः अधिकार नहीं मिल जाता।

27 मई को सुप्रीम कोर्ट ने CBSE 9वीं क्लास में थ्री-लैंग्वेज रूल पर अपनी सुनवाई में कहा कि थ्री-लैंग्वेज रूल लागू करने के फैसले पर जांच की जाएगी। साथ ही SC ने कहा कि ये देखना होगा कि CBSE के थ्री-लैंग्वेज रूल की वजह से छात्रों और संसाधनों पर बेमतलब का दबाव तो नहीं पड़ रहा।

CJI सूर्यकांत की अगुवाई वाली तीन जजों की बेंच ने कहा कि इस पॉलिसी को लागू करने में आने वाली जमीनी और व्यवस्थागत दिक्कतों को समझना होगा, खासकर तब जब शिक्षकों और किताबों दोनों की ही कमी है।

सुप्रीम कोर्ट ने 30 मई को स्पष्ट किया कि स्कूलों में काम कर रहे शिक्षकों के लिए टीचर इलिजिबिलटी टेस्ट (TET) पास करना अनिवार्य है। कोर्ट ने TET पास करने की समयसीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी। हालांकि कोर्ट ने कहा कि इसके बाद कोई और समय नहीं दिया जाएगा।

कोर्ट ने कहा, बिना TET योग्यता वाले शिक्षक सेवा में बने रहे तो इसका असर आने वाली पीढ़ियों की शिक्षा पर पड़ेगा। फैसले का असर देश के 20 लाख से ज्यादा शिक्षकों पर होगा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 65 से अधिक पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कर दीं। ये याचिकाएं राज्य सरकारों, शिक्षक संगठनों और व्यक्तिगत शिक्षकों ने दायर की थीं। सभी ने 2025 के फैसले पर पुनर्विचार मांगा था।

जेवर एयरपोर्ट ...

उस समय मौके पर करीब छह से सात मजदूर मौजूद थे। बताया जा रहा है कि इनमें से तीन से चार मजदूर क्रेन के नीचे दब गए।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, निर्माण कंपनी के अधिकारी और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। क्रेन के नीचे फंसे मजदूरों को निकालने के लिए मशीनों और अन्य संसाधनों की मदद ली गई। बचाव दल ने घायलों को बाहर निकालकर तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हादसे के बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया है। मौके पर भारी भरकम क्रेन के हिस्से को उठाने का काम जारी है। इस भारी भरकम क्रेन को उठाने के लिए तीन क्रेन काम कर रही हैं। सूचना के अनुसार यह क्रेन नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के एलिवेटेड मार्ग के हिस्से को उठाने का काम करती है। इसलिए इस भारी भरकम क्रेन को उठाना मुश्किल हो रहा है।

जहां श्रमिक दबे हुए हैं उस हिस्से को गैस कटर से काटा जा रहा है ताकि अंदर से श्रमिकों को निकाला जा सके। इस बीच दो श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया जिसमें एक की मौत हो गई व दूसरो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, बाकी को निकालने का काम जारी है। मौके पर NHAI, प्रशासनिक अधिकारी और भारी पुलिस बल मौजूद है।

जम्मू-कश्मीर के...

वहीं, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है।

मौसम विभाग के मुताबिक, केरलम, तमिलनाडु और कर्नाटक में अगले 7 दिन में कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है। इस बार मानसून 3 दिन लेट है।

आमतौर पर यह 1 जून को केरलम पहुंचता है। इसके बाद डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर कर लेता है। 17 सितंबर के आसपास राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरा हो जाता है।

यूपी सिर्फ आस्था...

सीएम योगी ने कहा यूपी की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की बड़ी भूमिका है। पर्यटन के विस्तार से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी नए अवसर मिलेंगे।'

सीएम ने लखनऊ में नव लोकार्पित नौसेना शौर्य वाटिका और निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

बैठक में बताया गया कि संग्रहालय में भारतीय नौसेना का इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक के जरिए प्रदर्शित किया जाएगा। यहां इंटरैक्टिव गैलरी, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना और अनुभवात्मक प्रदर्शन भी होंगे।

सीएम ने कहा कि इससे युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना और मजबूत होगी।

आगरा में निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा के दौरान सीएम ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है।

टीसीएस के बाद विप्रो ...

इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

रोहित की फिटनेस पर भी सस्पेंस ■ 13 जून को पहला वनडे खेलेगी टीम इंडिया

दावा : कोहली अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से हटे

खेल

- आईपीएल फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी के दौरान कोहली को दौड़ने में परेशानी हो रही थी।
- पारी के बीच में कोहली को मेडिकल असेसमेंट भी लेना पड़ा था।
- 13 जून को खेला जाएगा पहला वनडे मैच
- तिलक, सैमसन और पाटीदार संभावित विकल्प

अफगानिस्तान का भारत दौरा 6 जून से शुरू हो रहा है। टीम मुल्लांपुर स्टेडियम पर 6 जून से सिंगल टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 13 जून से 3 वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

मुंबई, एजेंसी

विराट कोहली जांघ की मांसपेशियों में चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। न्यूज एजेंसी PTI ने BCCI के एक सूत्र के हवाले से इसकी पुष्टि की है। हालांकि, BCCI ने इसको लेकर अभी कोई बयान जारी नहीं किया है। अगर कोहली इस सीरीज से बाहर होते हैं तो वे 18 साल के करियर में पहली बार चोट की वजह से पूरी सीरीज से बाहर होंगे। टीम के सहायक कोच रेयान टेन डोशेट ने कहा-कोहली और रोहित को लेकर अधिकृत जानकारी जल्द ही सामने आएगी। वनडे सीरीज से पहले उनकी फिटनेस का आंकलन किया जाएगा। कोहली ने हाल ही में RCB को लगातार दूसरा IPL खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने फाइनल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ 75 रन की नाबाद पारी खेली थी। बताया जा रहा है कि इसी पारी के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी (जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव) हुई।

रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी नजरें

कोहली के अलावा, पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी सस्पेंस है। उन्हें हैमस्ट्रिंग चोट से उबरने की शर्त पर टीम में शामिल किया गया था। रोहित को चोट के कारण IPL के कुछ मैचों से बाहर रहना पड़ा था। रोहित की फिटनेस पर अंतिम फैसला टीम प्रबंधन और मेडिकल स्टाफ की रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा।

सीरीज की व्यूअरशिप पर असर पड़ेगा

कोहली और रोहित की गैरमौजूदगी से अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज की व्यूअरशिप पर असर पड़ेगा। क्योंकि, ये दोनों स्टार केवल वनडे क्रिकेट ही खेलते हैं। दोनों ने टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है।

■ IPL फाइनल मैच में अर्धशतकीय पारी के दौरान कोहली को दौड़ने में परेशानी हो रही थी।

दावा- सूर्यकुमार यादव से टी-20 कप्तानी छिनेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी-20 टीम की कप्तानी से हटाया जा सकता है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक उनकी टीम में जगह भी खतरे में है। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से पहले BCCI, टीम मैनेजमेंट और चयन समिति नया कप्तान बनाने पर विचार कर रही है।

भारत की टीम इस महीने आयरलैंड में दो टी-20 मैच खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर 5 टी-20 मुकाबले होंगे। इसी साल 8 मार्च को अहमदाबाद में सूर्यकुमार की कप्तानी में भारत ने टी-20 वर्ल्डकप जीता था। इसके बावजूद बोर्ड ने टी-20 वर्ल्ड कप 2028 को लेकर यह फैसला लिया है। इस मामले में हेड कोच गंभीर से भी चर्चा की गई है।

IPL 2026 सीजन में सूर्यकुमार केवल 270 रन ही बना सके। इस दौरान उनका औसत 20.76 रहा। सूर्या ने इस सीजन दो अर्धशतक राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लगाया था।

■ 3 महीने पहले वर्ल्डकप जिताया था, आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह मिलनी मुश्किल

सूर्या की कप्तानी में भारत ने 52 टी-20 मैच खेले। इसमें 42 जीते , 8 हार और दो मैच नो रिजल्ट रहा। उनका जीत प्रतिशत 80.76% है। सूर्यकुमार की अगुआई में भारत ने 2026 टी-20 वर्ल्ड कप, 2025 एशिया कप अपने नाम किया था।

सूर्यकुमार ने 113 मैचों में 3272 रन बनाए हैं। उनका औसत 36.35 और स्ट्राइक रेट 162.94 रहा है।

पहला वनडे : वेस्टइंडीज को श्रीलंका ने 41 रन से हराया

मेंडिस और निसांका के अर्धशतक, चमीरा ने 4 विकेट झटके

किंग्सटन, एजेंसी

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरा मुकाबला 7 जून को खेला जाएगा।

किंग्सटन के सबीना पार्क स्टेडियम में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। श्रीलंका ने कप्तान कुसल मेंडिस और पाथुम निसांका की फिफ्टी की मदद से 7 विकेट पर 303 रन बनाए।

जवाब में 304 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी वेस्टइंडीज 262 रन पर ऑलआउट हो गई। दुष्मंथा चमीरा ने 4 विकेट लिए। कप्तान कुसल मेंडिस प्लेयर ऑफ द मैच रहे। मैथ्यू फोर्ड ने कुसल मेंडिस (72 रन) को अल्जारी जोसेफ के हाथों कैच कराकर यह साझेदारी तोड़ी। मेंडिस के बाद निसांका 79 रन बनाकर आउट हुए। आखिर में जनिथ लियानागे (नाबाद 44) और चरित असालंका (नाबाद 45) ने टीम को 303/7 रन तक पहुंचा दिया। वेस्टइंडीज के लिए रोस्टन चेज, जॉयडन सेल्स और मैथ्यू फोर्ड ने दो-दो विकेट लिए। 304 रन चेज कर रही मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी रही। जस्टिन ग्रिव्स (45) और जॉन कैंपबेल (17) ने पहले विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी कर ली थी।

निसांका-मेंडिस में शतकीय साझेदारी

जॉयडन सेल्स ने वेस्टइंडीज को पहला विकेट जल्दी दिला दिया। उन्होंने श्रीलंकाई ओपनर कामिंदु मेंडिस (12 रन) को शाई होप के हाथों कैच कराया। इसके बाद पथुम निसांका और कप्तान कुसल मेंडिस ने शतकीय साझेदारी कर स्कोर 150 के पार पहुंचाया।

'आईपीएल बोरिंग था सिर्फ छक्के लग रहे थे'

नई दिल्ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टन ने आईपीएल 2026 में उपयोग की जाने वाली पिचों की जमकर आलोचना की है। उनका कहना है कि आईपीएल में बल्लेबाज छक्के लगाते हैं और उन्हें देखने के बाद मैं ऊब गया था। इसकी वजह से बल्लेबाजों में कोई नई स्किल भी नहीं बन पाती है। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में सबसे अधिक बार 200+ का स्कोर देखने को मिला।

टीमों ने 65 बार 200+ का स्कोर बनाया, जिसमें 17 बार विपक्षी टीमों ने स्कोर को चेज भी किया। यही नहीं इसी सीजन पंजाब किंग्स ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर चेज किया था। लिविंगस्टन को सनराइजर्स हैदराबाद ने नीलामी में 13 करोड़ रुपए में खरीदा था लेकिन उन्हें अधिक मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद अब इंग्लिश खिलाड़ी ने इसको लेकर निराशा व्यक्त की है।

फ्रेंच ओपन में कोबोली-अर्नाल्डी के बीच मुकाबला, ज्वेरेव-मेंसिक भी टॉप-4 में

ग्रैंड स्लैम इतिहास में पहली बार 2 इटैलियन में सेमीफाइनल

पेरिस, एजेंसी

वर्ल्ड नंबर-1 जैनिक सिनर और लोरेंजो मुसेटी के बाहर होने के बावजूद फ्रेंच ओपन में इटली का दबदबा कायम है।

बुधवार रात फ्लावियो कोबोली और माटेओ अर्नाल्डी ने अपने-अपने मैच जीतकर मेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब शुक्रवार को दोनों के बीच सेमीफाइनल खेला जाएगा। यह ग्रैंड स्लैम इतिहास का पहला ऑल-इटैलियन मेंस सेमीफाइनल होगा।

ऑल-इटैलियन सेमीफाइनल पर कोबोली ने कहा- 'इटालियन टेनिस के लिए यह बेहद खुशी की बात है।' पिछले साल सिनर और मुसेटी दोनों अंतिम चार में पहुंचे थे, लेकिन ड्रॉ के अलग-अलग हिस्सों में थे।

24 वर्षीय कोबोली ने कनाडा के फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर अंतिम-4 में जगह बनाई। वहीं, अर्नाल्डी को हमवतन माटेओ बेरेटिनी के चोटिल होकर मैच छोड़ने से सेमीफाइनल का टिकट मिला। बेरेटिनी बाएं कूल्हे की चोट से जूझ रहे थे और दूसरे सेट में पीछे रहने के बाद मुकाबले से हट गए।

सारा एरानी और आंद्रेआ वावासोरी गुरुवार को मिश्रित युगल फाइनल खेलेंगे। वहीं, वावासोरी और सिमोने बोलेली पुरुष युगल के सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

ज्वेरेव-मेंसिक में दूसरा सेमीफाइनल

पुरुष एकल कैटेगरी का दूसरा सेमीफाइनल जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव और चेक खिलाड़ी जैकब मेंसिक के बीच खेला जाएगा। ज्वेरेव ने स्पेन के राफेल जोदार को 7-6, 6-1, 6-3 से हराया। वहीं, मेंसिक ने ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-4, 6-3, 7-6 से हराया। फोन्सेका ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया था।

मनोरंजन

'हीरामंडी' के बाद फिर ओटीटी पर विस्फोट करेंगे फरदीन खान

पहली बार इस हीरोइन संग स्क्रीन पर आएंगे नजर

नई दिल्ली। 90 के दशक के अभिनेताओं में सिर्फ बॉबी देओल और अक्षय खन्ना की ही दमदार वापसी नहीं हुई है, बल्कि फरदीन खान ने भी अब फिल्मी दुनिया में अपने कदम दोबारा जमा लिए हैं।

साल 2024 में फिल्म विस्फोट से अभिनय में वापसी करने के बाद अभिनेता फरदीन खान लगातार काम कर रहे हैं। उसके बाद उन्होंने फिल्म खेल खेल में, हाउसफुल 5 तथा वेब सीरीज हीरामंडी : द डायमंड बाजार की। वह मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' में अहम किरदार में दिखे। अब हीरामंडी के बाद एक बार फिर से फरदीन खान OTT पर जल्द ही एक नई वेब सीरीज में दिखाई देने वाले हैं।

मुंबई मनोरंजन संवाददाता की रिपोर्ट्स के अनुसार, फरदीन जिस वेब सीरीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं उसका टाइटल 'कोक' है, जिसमें वह अभिनेत्री शेफाली शाह के साथ नजर आएंगे। इस शो को नेटफ्लिक्स (Netflix) के लिए बनाया जा रहा है, उल्लेखनीय है कि फरदीन की पहली वेब सीरीज हीरामंडी भी इसी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई थी। फरदीन और शेफाली शो की शूटिंग शुरू कर चुके हैं। यह एक पीरियड ड्रामा वेब सीरीज होगी, जिसे एकता कपूर प्रोड्यूस कर रही हैं। इसके निर्देशन की बागडोर वेब सीरीज 'फोर मोर शाट्स प्लीज!' का निर्देशन करने वाली नुपुर अस्थाना के हाथों में होगी। एकता कपूर की पीरियड ड्रामा वेब सीरीज में शेफाली और फरदीन के साथ टीवी के भी नामचीन कलाकारों को भी कास्ट किया गया है, हालांकि, उनके नाम सामने नहीं आए हैं।

पेरेंट्स बनें संभावना सेठ और अविनाश, कपल ने किया जुड़वा बच्चों का स्वागत

'महा दीवाली जल्दी आ गई'

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल अप्रैल के महीने में संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी ने घोषणा की थी कि वे सरोगेसी के जरिए जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। अब फाइनली कपल के घर खुशियों ने दस्तक दे दी है। संभावना और अविनाश दो जुड़वा बच्चों के पेरेंट्स बन गए हैं। 4 जून को संभावना ने इंस्टा पोस्ट के जरिए अनाउंसमेंट की कि उनके घर एक बेटे और एक बेटी का जन्म हुआ है। संभावना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इस साल महा दिवाली जल्दी आ गई। लक्ष्मी और गणेश दोनों घर आ गए। हमारा दिल कृतज्ञता से भरा है। हर हर महादेव।

अब फाइनली जब वो मां बन गई हैं तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं है। संभावना ने अस्पताल से भी अपनी दो-तीन तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वो काफी इमोशनल नजर आईं। तस्वीर देखकर ये लग रहा है कि संभावना डिलीवरी के समय अस्पताल में मौजूद थीं और अपने बच्चों का जन्म होते हुए भी देखा। ये सब देखकर एक्ट्रेस की आंखों में खुशी के आंसू नजर आए जबकि अविनाश उन्हें संभालते हुए दिखे।

संभावना और अविनाश ने 2016 में शादी की थी। शादी के 10 साल बाद कपल को माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साल 2024 में, आईवीएफ के जरिए संभावना प्रेग्नेंट हुई थीं लेकिन उनका मिसकैरेज हो गया था। इसके बाद कपल ने सरोगेसी का विकल्प चुना।

कई बार फेल हुआ आईवीएफ

बता दें कि संभावना सेठ इस समय 45 साल की हैं और लंबे समय से बच्चे के लिए ट्राई कर रही थीं। उनके 8 IVF फेल हुए। वहीं संभावना के कई सारे दोस्त उन्हें बधाई दे रहे। गोविंदा की पत्नी सुनीता ने लिखा- बधाई हो ,भगवान आप सभी को आशीर्वाद दें। उर्फी जावेद ने लिखा, बहुत-बहुत बधाई हो। इशिता अरुण ने टिप्पणी की, वाह संभवना! बहुत-बहुत खुश हूं। बहुत-बहुत बधाई हो।

हिना खान समेत कई सेलेब्स भड़के, एनजीओ ने की गिरफ्तारी की मांग, शिल्पा बोलीं- सुसाइड करने वाली थी

शिल्पा शिंदे ने फर्जी सेक्शुअल हैरेसमेंट केस करना कबूला

नई दिल्ली। बिग बॉस 11 की विनर और भाभी जी घर पर हैं एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे अपने हालिया पॉडकास्ट से विवादों में घिर गई हैं। पॉडकास्ट में एक्ट्रेस ने कबूला कि उन्होंने अपने प्रोड्यूसर्स के खिलाफ फर्जी सेक्शुअल हैरेसमेंट की शिकायत दर्ज करवाई थी। पॉडकास्ट आते ही शिल्पा शिंदे के खिलाफ एक NGO ने एक्शन लिए जाने की मांग की है। इसके अलावा हिना खान, पूजा बेदी समेत कई सेलेब्स एक्ट्रेस की आलोचना कर रहे हैं। विवादों के बीच शिल्पा शिंदे ने सफाई में कहा है कि वो उस वक्त सुसाइड करने वाली थीं, लेकिन अब उन्हें किसी भी तरह के विवाद से कोई फर्क नहीं पड़ता। शिल्पा ने वीडियो में आपत्तिजनक इशारे भी किए। शिल्पा शिंदे ने कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाछिया के पॉडकास्ट में कहा है कि उन्होंने टीवी शो भाभी जी घर पर हैं के प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ सेक्शुअल हैरेसमेंट की फर्जी शिकायत दर्ज करवाई थी। इससे उनकी बकाया पेमेंट चुका दी गई।

पॉडकास्ट के बाद आलोचना होने और विवाद बढ़ने के बाद शिल्पा शिंदे ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो जारी कर सफाई दी है। उन्होंने कहा है, 'ये जो पीआर चल रहा है, जो कमेंट्स आ रहे हैं, मुझे उन लोगों को बस इतना कहना है कि जो बोगे वही पाओगे। जो लोग बिना पूरी बात जाने समझे, मेरी चिंता कर रहे हैं कि अरे आपकी तो अब तक शादी ही नहीं हुई, वो लोग अपनी खुद की चिंता करें। एक सच बोलने वाले इंसान को आप झूठ बोल रहे हो। मुझे पता था कि ये होना ही है, क्योंकि दुनिया कभी किसी अच्छी चीज की तारीफ नहीं करती।'

ये बेहद शर्मनाक है- हिना खान

बिग बॉस 11 की को-कंटेस्टेंट हिना खान ने शिल्पा की कड़ी आलोचना कर आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा है, 'किसी की छवि खराब करने या किसी विवाद में जीतने के लिए अपने महिला होने का फायदा उठाना बिल्कुल शर्मनाक है। और हर किसी को इसका विरोध करने और न्याय की मांग करने का पूरा अधिकार है। मैं यह देखकर बेहद हैरान हूं। लेकिन मैं यहां उस #असली पीड़ितर की बात करना चाहता हूं। एक सम्मानित व्यक्ति, जिसकी पत्नी, बेटी और परिवार में कई महिलाएं हैं। एक मेहनती निर्माता, जिसने कई लोकप्रिय शो बनाए हैं। उसे एक कठिन दौर से गुजरना पड़ा।'

इसके लिए कड़ी सजा दी जानी चाहिए- पूजा बेदी

एक्ट्रेस पूजा बेदी ने वैराइटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में शिल्पा शिंदे की निंदा करते हुए कहा, 'कोई भी महिला जो पीड़ितों की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का इस्तेमाल बदला लेने, निजी फायदे, दबाव बनाने, प्रचार पाने या किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए करती है, वह उन कानूनों के असली उद्देश्य के साथ विश्वासघात करती है।' आगे उन्होंने कहा, 'झूठे आरोप न सिर्फ निर्दोष लोगों की जिंदगी बर्बाद कर देते हैं, बल्कि इससे वास्तविक पीड़ितों की बात पर भी लोगों का भरोसा कम हो जाता है। कानून का इस तरह दुरुपयोग बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए कड़ी सजा होनी चाहिए।'

66

पुरुषों के हित में काम करने वाले एक एनजीओ ने शिल्पा शिंदे की गिरफ्तारी की मांग की है। एनसीएम इंडिया काउंसिल फॉर मैन अफेयर के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा गया है, मुंबई पुलिस, प्लीज शिल्पा शिंदे को अपने प्रोड्यूसर के खिलाफ झूठी शिकायत करने पर गिरफ्तार करें।

मेक्सिको ने इसे अपना बताया, ब्राजील में नाराजगी, 300 नस्लों से मिलकर बना कैरामेलो डॉग

आवारा कुत्ते के लिए भिड़े दो देश

विवाद

ब्राजीलिया, एजेंसी

ब्राजील और मेक्सिको के बीच इन दिनों भूरे रंग के एक अवारा कुत्ते को लेकर विवाद छिड़ गया है। इसका नाम कैरामेलो है। ब्राजील के लोग इस कुत्ते को देश की पहचान मानते हैं। उनका कहना है कि ब्राजील में कैरामेलो उतना ही खास है जितना फुटबॉल और सांबा संगीत। मेक्सिको ने इसी साल अप्रैल में कैरामेलो को स्थानीय नस्ल घोषित कर दिया जिसके बाद यह विवाद शुरू हुआ। मेक्सिको के इस फैसले ने ब्राजील में नाराजगी पैदा कर दी। कई ब्राजीलियाई लोगों को लगा कि उनकी सांस्कृतिक पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा उनसे छीना जा रहा है।

साल 2025 में कैरामेलो कुत्ते पर नेटफ्लिक्स की एक फिल्म भी बनी थी।

ब्राजील में राष्ट्रीय विरासत बनाने की कोशिश

कैरामेलो पुर्तगाली भाषा का शब्द है, जिसका अर्थ कैरेमल या टॉफी जैसा हल्का भूरा रंग होता है। इसी रंग के कारण ब्राजील में भूरे रंग के अवारा कुत्तों को 'कैरामेलो' कहा जाता है।

2019 में यह डॉग सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसकी लोकप्रियता इतनी बढ़ी कि लोगों ने ब्राजील के 10 रियास के नोट पर बने पक्षी की जगह कैरामेलो डॉग की तस्वीर लगाने की मांग शुरू कर दी। इसके लिए शुरू हुई एक याचिका पर करीब 50 हजार लोगों ने साइन किए।

इसके बाद 2023 में ब्राजील के सांसदों ने एक बिल पेश किया था, जिसमें कैरामेलो स्ट्रीट डॉग्स को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने की मांग की गई थी। हालांकि, यह कानून अब तक पास नहीं हो सका है। इसके बाद साओ पाउलो समेत कुछ राज्यों ने अपने स्तर पर इन्हें सांस्कृतिक विरासत का दर्जा देने वाले कानून बनाए। रियो डी जेनेरियो के एक डॉग पार्क में हाल ही में बड़ी संख्या में ऐसे भूरे कुत्ते दिखाई दिए।

2020 में 200 रियास के नोट पर भी इस कुत्ते की तस्वीर लगाने की मांग उठी, जिसे और ज्यादा समर्थन मिला।

कैरामेलो नाम इन कुत्तों के हल्के भूरे या टॉफी जैसे रंग की वजह से पड़ा है। ब्राजील में इन कुत्तों की लोकप्रियता इतनी ज्यादा है कि इन पर मीम बनते हैं, टी-शर्ट छपती हैं, वायरल गाने बनाए जाते हैं और कार्निवल परेड में इनके सम्मान में झांकियां तक निकाली जाती हैं। यहां तक कि इन्हें ब्राजील की मुद्रा पर जगह देने का प्रस्ताव भी चर्चा में आया था।

वैज्ञानिक दृष्टि से कैरामेलो किसी एक शुद्ध नस्ल का कुत्ता नहीं है। ब्राजील की जेनेटिक्स कंपनी DNA पेट्स की स्टडी के मुताबिक, यह 300 से ज्यादा विदेशी नस्लों के कुत्तों के मिश्रण से बना है। यह किसी एक समय पर विकसित की गई नस्ल नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों में सैकड़ों नस्लों के प्राकृतिक मिश्रण से बना कुत्ता है। शोध के अनुसार कैरामेलो की जड़ें उन कुत्तों तक जाती हैं जिन्हें पुर्तगाली उपनिवेशवादी अपने साथ ब्राजील लाए थे। बाद में इटली, जर्मनी, स्पेन और जापान से आए प्रवासी भी विभिन्न नस्लों के कुत्ते लेकर आए।

अमेरिकी ट्रेड वॉर की नई सुगबुगाहट

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (USTR) ने वैश्विक व्यापार जगत में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत और चीन सहित दुनिया के 54 देशों से आने वाले निर्यात पर 12.5% अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने का प्रस्ताव पेश किया है। अमेरिका के इस कड़े रुख से वैश्विक सप्लाई चेन और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में भारी तनाव पैदा होने की आशंका है। अमेरिकी प्रशासन ने इस दंडात्मक कदम के पीछे 'जबरन श्रम' को मुख्य वजह बताया है। USTR का आरोप है कि ये सभी देश अपने यहां ऐसे सामानों के उत्पादन और आयात को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं, जिनमें बंधुआ मजदूरी या जबरन श्रम का इस्तेमाल किया जाता है। USTR के मुताबिक, चीन की कॉटन (कपास) और पॉलीसिलिकॉन सप्लाई चेन में जबरन श्रम के पुख्ता सबूत मिले हैं। चूंकि इन

भारत और चीन समेत 54 देशों पर 12.5% अतिरिक्त टैरिफ लगाने का प्रस्ताव

कच्चे मालों का इस्तेमाल दुनिया के अन्य देश भी अपने उत्पादों में करते हैं, इसलिए जांच का दायरा बड़ा हो गया है। प्रभावित होने वाले मुख्य सेक्टर्सः इस जांच के दायरे में स्टील, एल्युमिनियम, ऑटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और एग्रीकल्चर (कृषि) जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं, जिनसे अमेरिकी घरेलू व्यापार सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है।

फास्ट न्यूज

एटीएफ की कीमतों पर 75.60 प्रति लीटर कैप लगाया

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट संघर्ष के बीच सरकार ने एयरलाइंस कंपनियों, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों और हवाई यात्रियों को राहत देने के लिए 10,000 करोड़ के एविएशन टर्बाइन फ्यूल (ATF) प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड को मंजूरी दी। इसके अलावा सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए ATF की कीमत 75.60 प्रति लीटर पर फिक्स (कैप) कर दी हैं।

दुनियाभर के टॉप लग्जरी ब्रांड्स का 'टॉप सीक्रेट' मुंबई में

मुंबई। क्रिस्टियन डियोर, प्रादा, गुची जैसे दुनिया के 30 से ज्यादा टॉप लग्जरी ब्रांड्स के कपड़ों पर भारत में कढ़ाई होती है। ये नामी ब्रांड्स अपने कपड़ों की खास कढ़ाई मुंबई की 'चाणक्य इंटरनेशनल' से करवाते हैं। यहां के कारीगर हाथ की कढ़ाई से 5,000 साल पुरानी विरासत बचाए हुए हैं। चाणक्य इंटरनेशनल की शुरुआत गुजरात के विनोद शाह ने 1984 में की थी। इसका मकसद भारतीय कपड़ों पर सामूहिक रूप से की गई कारीगरी का पूरी दुनिया में पहचान दिलाना था। दुनिया के सबसे महंगे डिजाइनर और रेडीमेड कपड़ों में भारतीय कढ़ाई की मांग सबसे ज्यादा है।

सोना 545 बढ़कर 1.56 लाख का 10 ग्राम हुआ

नई दिल्ली। सोने के दाम में आज यानी 4 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 545 रुपए बढ़कर 1.56 लाख रुपए हो गया है। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। 1 किलो चांदी की कीमत 2,432 रुपए कम होकर 2.59 लाख रुपए पर आ गई है।

मुकेश अंबानी से आगे निकले टिकटॉक के सह-संस्थापक

यिमिंग एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बने

मुंबई, एजेंसी

टिकटॉक की पैरेंट कंपनी बाइडांस के को-फाउंडर झांग यिमिंग मुकेश अंबानी को पीछे छोड़कर एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक, झांग की संपत्ति अब 8.9 लाख करोड़ रुपए (93 बिलियन डॉलर) हो गई है।

वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी की संपत्ति 8.31 लाख करोड़ रुपए (86 बिलियन डॉलर) रह गई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति अडाणी ग्रुप के मालिक गौतम अडाणी हैं। झांग की दौलत बाइडांस की वैल्युएशन बढ़ने और एआई चैटबॉट डौबाओ की सफलता से बढ़ी है। यह भारत और दुनियाभर में मशहूर ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के जेमिनाई जैसा ही एडवांस्ड एआई असिस्टेंट है। चीन में इस चैटबॉट के 30 करोड़ यूजर्स हैं।

झांग 2019 में 1.24 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के मालिक थे। बीते 7 साल में उनकी संपत्ति सात गुना ये ज्यादा बढ़ चुकी है। अमेरिका में टिकटॉक का बिजनेस बिकने से कंपनी का संकट दूर हो गया।

ब्लूमबर्ग ने इसकी वैल्यू में 25% कटौती घटाकर 10% कर दी है। इससे ब्लैकरॉक और फिडेलिटी जैसे निवेशकों के विश्लेषण के बाद झांग की संपत्ति 2.30 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। कंपनी एआई सेक्टर में इस साल 6.7 लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी।

पीएम मोदी से मिलीं, दोनों देशों के बीच तेल सप्लाई को लेकर बड़ा समझौता हो सकता है

होर्मुज संकट के बीच भारत आईं वेनेजुएलाई राष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने बुधवार को पीएम मोदी से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा सहयोग तेजी से बढ़ा है। माना जा रहा है कि दोनों देशों के बीच तेल सप्लाई को लेकर बड़ा समझौता हो सकता है।

इससे पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने भी डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि भारत-वेनेजुएला संबंधों को मजबूत करने में रोड्रिगेज की लंबे समय से महत्वपूर्ण भूमिका रही है और प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी बातचीत दोनों देशों के सहयोग को और आगे बढ़ाएगी।

अमेरिका ने 4 जनवरी को तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का तख्तापलट कर दिया था। इसके बाद से रोड्रिगेज कार्यवाहक राष्ट्रपति हैं। रोड्रिगेज की भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब भारत ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। होर्मुज संकट की वजह से भारत वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की तलाश कर रहा है।

वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार दोपहर प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की।

वेनेजुएला तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना

एनर्जी ट्रैक करने वाली एजेंसी केप्लर के डेटा के मुताबिक, मई 2026 में वेनेजुएला ने तेल सप्लाई के मामले में सऊदी अरब और अमेरिका को पीछे छोड़ दिया है। अभी केवल रूस और UAE ने ही उससे ज्यादा तेल सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने भारत को वेनेजुएला से होने वाली तेल सप्लाई अप्रैल के मुकाबले करीब 50 फीसदी बढ़ गई है।

अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल निर्यात पर कुछ ढील दी थी। उसी के बाद अप्रैल से भारत में फिर से वेनेजुएला का तेल आना शुरू हुआ। करीब 303 अरब बैरल तेल भंडार के साथ वेनेजुएला दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार वाला देश माना जाता है। यह भंडार सऊदी अरब और अमेरिका से भी ज्यादा है। अब अमेरिका और वेनेजुएला दोनों कोशिश करेंगे कि भारत के साथ ऐसा समझौता हो, जिससे वेनेजुएला से तेल निर्यात में आई यह तेजी आगे भी जारी रह सके।

दिल्ली की होटल में आग पर वर्ल्ड मीडिया: बीबीसी की रिपोर्ट- नियमों की अनदेखी से हादसा

'भारतीय इमारतों में सुरक्षा इंतजाम नहीं'

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार सुबह लगी भीषण आग ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींचा है। हादसे में 21 लोगों की मौत हुई है, जिनमें 17 विदेशी नागरिक शामिल बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए 2 लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की सहायता राशि की घोषणा की है।

हादसे की गंभीरता और बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों की मौत के कारण दुनिया के कई प्रमुख मीडिया संस्थानों ने इसे प्रमुखता से कवर किया है। ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका और अन्य देशों के मीडिया ने अपनी रिपोर्टों में दिल्ली के होटल

में लगी आग, बचाव अभियान और विदेशी नागरिकों की मौत पर फोकस किया है।

दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि जांच की जा रही है कि इमारत को गेस्ट हाउस के तौर पर इस्तेमाल की इजाजत थी या नहीं। अगर किसी तरह की लापरवाही या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों के

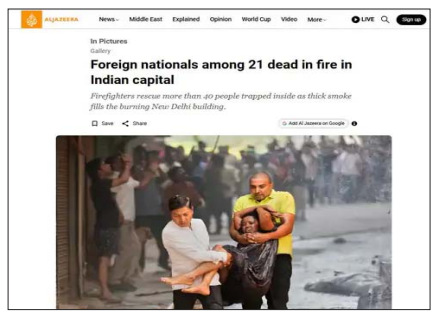

दक्षिण दिल्ली इमारत में लगी आग से मरने वालों में कई विदेशी नागरिक भी शामिल हैं, जो इलाज के लिए भारत आए थे।

यह इमारत एक गेस्ट हाउस की तरह इस्तेमाल की जा रही थी, जहां पास के प्राइवेट अस्पताल में इलाज करा रहे मरीज और उनके परिवार वाले रुकते थे।

मुताबिक आग बहुत तेजी से फैली, जिससे ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोग फंस गए। कई लोगों ने जान बचाने के लिए दूसरी और तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों ने सड़क पर गद्दे बिछाकर लोगों को कूदने में मदद की और कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। भारत में आग लगने की ऐसी घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। जांच रिपोर्ट्स में कई बार खराब बिजली व्यवस्था, सुरक्षा नियमों की अनदेखी और तय इस्तेमाल से अलग तरीके से चल रही इमारतों को ऐसे हादसों की बड़ी वजह बताया गया है।

कतर के अल जजीरा ने लिखा- भारत में आग की घटनाएं अक्सर होती हैं

दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर में आग जिस इमारत में लगी, जिसके निचले हिस्से में एक रेस्तरां था और ऊपर होटल चल रहा था। आग लगते ही इमारत में धुआं भर गया और कई लोग अंदर फंस गए। दमकल की आठ गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। पुलिस के मुताबिक 40 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ लोग जान बचाने के लिए खिड़कियों पर आ गए थे और मदद के लिए चिल्ला रहे थे। आसपास के लोगों ने भी राहत कार्य में मदद की और कई घायलों को एम्बुलेंस आने से पहले सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। भारत में आग लगने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। कई इमारतों में सुरक्षा के जरूरी इंतजाम पूरे नहीं होते, इसलिए जब आग लगती है तो बड़ा नुकसान होता है और लोगों की जान भी चली जाती है।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी खत्म : मार्को रूबियो

ईरान पर अब हमले नहीं करेगा अमेरिका

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार को एक बार फिर दावा किया कि ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो चुका है। इसके उलट घातक हमले जारी रहे। वहीं रूबियो ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी को बताया कि अमेरिका ने जीत हासिल कर ली है।

उन्होंने कहा, ₹हम अब ईरान के भीतर उनकी सेना को कमजोर करने के लिए लगातार हमले नहीं कर रहे हैं, क्योंकि 'एपिक फ्यूरी' अब खत्म हो चुका है।₹ अमेरिका-इजरायल युद्ध 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम दिया गया है। यह 28 फरवरी को ईरान पर हुए पहले हमलों के बाद से पूरे मिडिल-ईस्ट को अपनी चपेट में ले चुका है।

ईरान ने इस क्षेत्र में अमेरिका के सहयोगियों को निशाना बनाकर और

होर्मुज स्ट्रेट को प्रभावी ढंग से अवरुद्ध करके जवाब दिया है। रूबियो ने कहा, ₹हम जीत को इस तरह परिभाषित करते हैं कि उनके रक्षा औद्योगिक आधार को नष्ट कर दिया जाए, उनके पास मौजूद मिसाइल लॉन्चरों की संख्या में भारी कमी लाई जाए और उनके ड्रोन के जखीरे को काफी हद तक कम कर दिया जाए। उन्होंने आगे कहा, और हमने ये सब हासिल किया। इसके अलावा, हमने उनकी बची-खुची वायुसेना को भी तबाह कर दिया और उनकी पूरी पारंपरिक नौसेना का सफाया कर दिया।

झटका : आयोजन के बीच यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग पर बड़ा ड्रोन हमला किया

रूस के रणनीतिक उत्तरी हब तक पहुंची जंग

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के सबसे बड़े आर्थिक मंच के आयोजन के बीच यूक्रेन ने सेंट पीटर्सबर्ग पर बड़ा ड्रोन हमला कर क्रेमलिन को एक करारा झटका दिया है। जब दुनिया भर से हजारों प्रतिनिधि इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंच रहे थे, ठीक उसी समय यूक्रेनी ड्रोनों ने शहर के ऊर्जा और सैन्य ठिकानों को अपना निशाना बनाया।

इस हमले ने न सिर्फ बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है, बल्कि रूस की आर्थिक स्थिरता और अचूक सुरक्षा के दावों को भी एक बड़ा प्रतीकात्मक आघात दिया है।

यह हमला मुख्य रूप से पीटर्सबर्ग ऑयल टर्मिनल और क्रोनस्टैड में नौसैनिक सुविधाओं को निशाना बनाकर किया गया था। हालांकि 2024 के बाद से इस शहर को ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरों का सामना

रूस के दावोस स्पीफ से पर हमला

सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (SPIEF) रूस का सबसे प्रमुख निवेश और व्यापारिक आयोजन है, जो हर साल सरकारी नेताओं, कॉर्पोरेट अधिकारियों और विदेशी प्रतिनिधिमंडलों को आकर्षित करता है। इस तीन दिवसीय आर्थिक मंच में 130 देशों के लगभग 20,000 प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद थी, जिसे अक्सर रूस का दावोस भी कहा जाता है। यह मंच क्रेमलिन के लिए यह प्रदर्शित करने का एक बेहद महत्वपूर्ण जरिया बन गया है कि मास्को को अलग-थलग करने के पश्चिमी देशों के प्रयासों के बावजूद, रूस आर्थिक रूप से मजबूत बना हुआ है और नए अंतरराष्ट्रीय भागीदारों को आकर्षित करने में पूरी तरह सक्षम है।

क्यों खास है सेंट पीटर्सबर्ग?

जार पीटर द ग्रेट द्वारा 1703 में स्थापित सेंट पीटर्सबर्ग 1918 तक रूसी साम्राज्य की राजधानी रहा था। अक्सर रूस की यूरोप के लिए खिड़की के रूप में वर्णित यह शहर आज भी देश के सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक केंद्रों में से एक है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान इसका नाम बदलकर पेट्रोग्राद और बाद में सोवियत शासन के तहत लेनिनग्राद कर दिया गया था। यह शहर 1917 की रूसी क्रांति का मुख्य केंद्र था और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इसने लेनिनग्राद की 872 दिनों की ऐतिहासिक घेराबंदी को झेला था, जो आधुनिक इतिहास की सबसे घातक घेराबंदी में से एक थी।

अपने ऐतिहासिक महत्व के अलावा, यह एक बड़ा आर्थिक और व्यापारिक केंद्र भी है। बाल्टिक सागर के तट पर स्थित सेंट पीटर्सबर्ग बाहरी दुनिया के साथ रूसी व्यापार के लिए एक प्रमुख प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है। यह शहर जहाज निर्माण, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और प्रौद्योगिकी सहित प्रमुख उद्योगों का गढ़ है, जबकि इसके बंदरगाह रूस के समुद्री व्यापार के एक बड़े हिस्से को संभालते हैं।

करना पड़ा है, लेकिन यह ताजा हमला अपने टाइमिंग के कारण विशेष रूप से चर्चा में है। सेंट पीटर्सबर्ग के गवर्नर अलेक्जेंडर बेगलोव के अनुसार, इन हमलों में शहर की कई बुनियादी ढांचा सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है और कई लोग घायल हुए हैं, हालांकि किसी की मौत की खबर नहीं है।

अमेरिका में एक भारतीय पर दर्ज हुआ केस

गर्भवती किशोरी की जान लेने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका में 33 साल के एक भारतीय व्यक्ति पर केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि उसने गर्भवती महिला की जान ली है। ओहियो में एक रेंज रोवर वेलार दुर्घटना में मारी गई गर्भवती किशोरी की मां ने कहा है कि वह चाहती हैं कि इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट इस घटना के लिए आरोपी भारतीय व्यक्ति को देश से बाहर निकाल दे। एनेट होम्स ने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि तरसेम सिंह देश में रहे। पीड़ितों के परिवार के अनुसार, तरसेम सिंह 17 वर्षीय ऐशली होम्स के अजन्मे बच्चे का पिता था और वह अमेरिका में अवैध रूप से रह रहा एक भारतीय नागरिक था। रिश्तेदारों ने न्यूजवीक को बताया कि ऐशली ने इस रिश्ते से बाहर निकलने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह सफल नहीं हो पाई। पुलिस के अनुसार, 16 फरवरी

को जब गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई तब एशली एक रेंज रोवर वेलार में सवार थी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तब हुई जब सिंह ने कानून प्रवर्तन अधिकारियों के कहने पर गाड़ी नहीं रोकी और डिप्टी अधिकारियों के साथ तेज रफ्तार से पीछा करना शुरू कर दिया। इस दौरान गाड़ी की रफ्तार लगभग 100 मील प्रति घंटा तक पहुंच गई थी और अंत में यह सिलसिला एक टक्कर के साथ समाप्त हुआ। गाड़ी एक मोड़ पर काबू में नहीं रही, सड़क के बीच से बाईं ओर चली गई और कई बार पलटने से पहले एक जीप से टकरा गई। कार के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद एशली कार से बाहर जा गिरी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96